E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 244 | गुवाहाटी | गुरुवार, 9 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

खड़गे के विरुद्ध आरएसएस असम प्रांत की इकाइयों ने दिसपुर एवं सिलचर थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की उत्तर असम प्रांत एवं दक्षिण असम प्रांत इकाइयों ने दक्षिण असम में आयोजित एक हालिया चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दिए गए कथित अपमानजनक, उकसावेपूर्ण एवं सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील बयानों के संबंध में विधिक कार्रवाई की मांग करते हुए क्रमश: गुवाहाटी स्थित दिसपुर पुलिस थाना तथा सिलचर पुलिस थाना में औपचारिक पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। प्रांत कार्यवाह खगेन सैकिया और प्रांत संघचालक ज्योत्स्नामय चक्रवर्ती द्वारा हस्ताक्षरित बयान में बताया गया है कि शिकायतों के अनुसार कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने श्रीभूमि जिले के करीमगंज दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नीलामबाजार में आयोजित एक चुनावी सभा में विवादास्पद टिप्पणी की। आरोप है कि उन्होंने आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विचारधारा की तुलना *जहरीले सांप* से करते हुए उसके समाप्त किए जाने का आह्वान किया। शिकायत में उद्धृत कथन के अनुसार खड़गे ने कथित रूप से कहा कि यदि आप नमाज अदा कर रहे हों और आपके सामने एक जहरीला सांप आ जाए, तो आपको नमाज रोककर पहले उस सांप को मारने के लिए दौड़ना चाहिए, कुरान यही सिखाती है। मैं कहता हूं कि आरएसएस और भाजपा उसी जहरीले सांप की तरह हैं; यदि आप आरएसएस और भाजपा जैसे जहरीले सांप को समाप्त नहीं करेंगे, तो आप जीवित नहीं रह पाएंगे। बीती देररात जारी एक बयान में आरएसएस ने इस प्रकार के वक्तव्य पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस प्रकार की टिप्पणियां चुनावी अभियान के दौरान धार्मिक भावनाओं का उपयोग करते हुए आरएसएस एवं भाजपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के विरुद्ध शत्रुता, भय तथा हिंसा को उकसा सकती हैं। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि यह बयान जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 83 के अंतर्गत भ्रष्ट चुनावी आचरण की श्रेणी में आता है तथा इससे जनता को आपराधिक रूप से भयभीत करने और विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक समूहों के समर्थकों के बीच वैमनस्य फैलाने का प्रयास किया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि आरएसएस एवं भाजपा की विचारधारा को *जहरीला* बताना तथा उनके उन्मूलन की बात करना संगठन के सदस्यों एवं समर्थकों को शारीरिक क्षति पहुंचाने के लिए उकसाने के रूप में देखा जा सकता है। एफआईआर में कहा गया है कि यह बयान हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ावा देने का प्रयास प्रतीत होता है, जिससे असम में सार्वजनिक शांति एवं सौहार्द प्रभावित हो सकता है तथा चुनावी वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। शिकायतों में चेतावनी दी गई है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो इस प्रकार के वक्तव्य सांप्रदायिक तनाव या टकराव का कारण बन सकते हैं। आरएसएस ने बल देकर कहा है कि लोकतांत्रिक संवाद संवैधानिक एवं विधिक मर्यादाओं के भीतर रहना चाहिए तथा चुनावी राजनीति में ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं होना चाहिए जो सामाजिक सद्भाव और सार्वजनिक शांति को खतरे में डाले।

मणिपुर सरकार ने सुरक्षा बलों का प्रदर्शनकारियों की हत्या के *बेबुनियाद* दावों की निंदा की

नई दिल्ली/मणिपुर। मणिपुर सरकार ने सोशल मीडिया पर चल रहे उन दावों को *बेबुनियाद* बताया है जिनमें आरोप लगाया गया है कि राज्य में प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों ने कई प्रदर्शनकारियों को मार डाला था और गलत सूचना फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। पर एक पोस्ट में, सरकार ने कहा कि ऑनलाइन कई पोस्ट प्रसारित हो रही हैं जिनमें दावा किया गया है कि मणिपुर में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने *अनेक निर्दोष लोगों* को गोली मारकर हत्या कर दी। इसने आरोपों का स्पष्ट रूप से खंडन किया और नागरिकों से आग्रह किया कि वे जानकारी साझा करने से पहले उसकी पुष्टि कर लें। गलत सूचनाओं के खतरों के प्रति आगाह करते हुए सरकार ने कहा कि अपुष्ट दावों का प्रसार स्थिति को और बिगाड़ सकता है और सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित कर सकता है। इसमें लोगों से जिम्मेदारी से काम करने की अपील की गई, और विशेष रूप से संवेदनशील समय के दौरान शांति, स्पष्टता और तथ्यों की जांच की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस बयान में जनता को यह भी याद दिलाया गया कि भारतीय न्याय संहिता के तहत झूठी जानकारी फैलाना या अशांति भड़काना दंडनीय अपराध है। इसके अलावा, मणिपुर पुलिस ने उन रिपोर्टों का भी खंडन किया जिनमें कहा गया था कि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई थी, जिसमें कथित तौर पर दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है और चेतावनी दी कि ऑनलाइन झूठे दावे फैलाने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। सरकार ने शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपनी अपील को दोहराते हुए नागरिकों से सत्यापित जानकारी पर भरोसा करने और अफवाहों को बढ़ावा देने से बचने का आग्रह किया।

चुनाव से पहले घुसपैठ पर वरिष्ठ अधिवक्ता बिजन महाजन की टिप्पणी

गुवाहाटी (हिंस)। चुनावों के पूर्व वरिष्ठ अधिवक्ता बिजन महाजन ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा है कि *मियां* कहे जाने वाले लोगों के समूह बड़ी संख्या में असम आ रहे हैं, जिनका उद्देश्य चुनावी परिणामों को प्रभावित करना है। महाजन ने दावा किया कि यह आवागमन कांग्रेस के प्रति कथित *अहैतुक प्रेम* और राजनीतिक ऋण चुकाने की मंशा से प्रेरित है, ताकि राज्य में पार्टी की जीत सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की गतिविधियां भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा बन सकती हैं तथा इससे चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। उन्होंने असम में रहने वाले सभी समुदायों और देशभक्त नागरिकों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर इस स्थिति का सामना करें और चुनाव से पहले किसी भी संभावित चुनौती के प्रति सतर्क रहें।

मतदान करें, दूसरों को भी प्रेरित करें-मेरा वोट मेरा अधिकार

गुवाहाटी (हिंस)। लोकतंत्र के महाप के रूप में माने जाने वाले चुनावों में जन की इच्छा सर्वोपरि होती है और मताधिक के माध्यम से ही नागरिक अप प्रतिनिधियों का चयन करते हैं। 1 सदस्यीय असम विधानसभा के लि मतदान 9 अप्रैल को सुबह 7 बजे प्रारंभ होगा। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी बयान में पार्टी के प्रवक्ता डॉ. देवजीत महंत ने समाज के सभी वर्गों के मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने *मतदान करें, दूसरों को भी प्रेरित करें-मेरा वोट मेरा अधिकार* का संकल्प दोहराते हुए प्रत्येक नागरिक से अपने मौलिक अधिकार का प्रयोग करने की अपील की। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, असम में कुल 2,49,54,139 मतदाता 9 अप्रैल को 722 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। राज्य की अन्य राजनीतिक पार्टियों ने भी लोगों से मतदान प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया है।

पश्चिम नलबाड़ी और बजाली में भीषण तूफान से भारी तबाही

नलबाड़ी (हिंस)। पश्चिम नलबाड़ी और बजाली समेत राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बीती रात आए तेज आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है। इस भीषण तूफान ने व्यापक इलाके को प्रभावित करते हुए जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, तूफान के चलते सौ से अधिक परिवारों के घर-द्वार क्षतिग्रस्त हो गए या पूरी तरह उड़ गए। कई परिवार बेघर हो गए हैं और उनकी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं भी नष्ट हो गई हैं। इस घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं। स्थानीय प्रशासन और राहत एजेंसियां बचाव और राहत कार्यों में जुटी हुई हैं। प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन किया जा रहा है और पीड़ित परिवारों को सहायता प्रदान करने के प्रयास जारी हैं।

पूर्वी जयंतिया हिल्स के ग्रामीण पर्यावरण संबंधी चिंताओं को लेकर स्टार सीमेंट संयंत्र का कर रहे हैं विरोध

शिलांग। पूर्वी जयंतिया हिल्स के उमकिरपोंग गांव के निवासियों ने स्टार सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित सीमेंट संयंत्र का कड़ा विरोध जताया है और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और स्थानीय आजीविका के लिए खतरे को लेकर चिंता व्यक्त की है। निवासियों ने दावा किया कि उन्होंने न तो प्रस्तावित संयंत्र के लिए सीधे जमीन बेची और न ही उन्हें इसके प्रभावों के बारे में पर्याप्त जानकारी दी गई। इस गांव में 500 से अधिक मतदाता और लगभग 200 परिवार रहते हैं, और यह गांव काफी हद तक कृषि पर निर्भर है। स्थानीय लोगों को आशंका है कि सीमेंट संयंत्र की स्थापना से पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और आने वाली पीढ़ियों के कल्याण को खतरा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी को लेकर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि कुछ दस्तावेजों पर जनता की जानकारी के बिना हस्ताक्षर किए गए थे। इसके जवाब में, उन्होंने एमडीसी क्रिसन लैंगस्टैंग और जेएचएडीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य थोंबोर शिवत सहित अधिकारियों और स्थानीय नेताओं को ज्ञापन सौंपे हैं। समुदाय ने मुखिया को हटाने की मांग की है और उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए नए चुनाव कराने का आह्वान किया है।

अभयापुरी में भीषण आगजनी, 14 व्यावसायिक प्रतिष्ठान जलकर राख

बंगाईगांव (हिंस)। अभयापुरी के घिलागुड़ी क्षेत्र में मंगलवार की देर रात अचानक लगी भयावह आग की घटना में तीनिआली बाजार स्थित कम से कम 14 व्यावसायिक प्रतिष्ठान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात करीब 1 बजे आग लगी और देखते ही देखते आसपास की दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग के दौरान एक होटल में रखे दो एलपीजी सिलेंडरों में विस्फोट होने से स्थिति और भी भयावह हो गई, जिससे आग तेजी से फैल गई। इस अग्निकांड में किराना दुकान, चाय की दुकान, ऑनलाइन कैफे, कपड़े और चप्पल की दुकान, सैलून, मनिहारी दुकान, पूजा सामग्री की दुकान तथा जेरॉक्स केंद्र सहित कुल 14 प्रतिष्ठान पूरी तरह जलकर राख हो गए। घटना में लगभग 80 से 90 लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है। सूचना मिलते ही अभयापुरी अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि आग लगने के सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक रूप से विद्युत शॉर्ट सर्किट को इसका संभावित कारण माना जा रहा है। पुलिस और प्रशासन द्वारा मामले की विस्तृत जांच जारी है।

महानगर के वशिष्ठ चारालि स्थित प्रभा देवी हिंदी स्कूल आज मतदान के लिए पूरी तरह तैयार
फोटो : श्याम सिंह

राज्यभर में स्ट्रांग रूम से ईवीएम लेकर मतदान दल विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना

गुवाहाटी (हिंस)। असम के विभिन्न जिलों में मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को मतदान कर्मी स्ट्रांग रूम से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) लेकर अपने-अपने मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि 16वीं असम विधानसभा के लिए 722 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला राज्य के ढ़ाई करोड़ से अधिक मतदाता करेंगे। इनमें पुरुष उम्मीदवारों की संख्या 663 है और महिला उम्मीदवारों की संख्या 59 है। दल के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सबसे अधिक 99 सीटों पर और भारतीय जनता पार्टी ने 90 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। उल्लेखनीय है कि असम की 126 विधानसभा क्षेत्रों में कुल मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 50 लाख 21 हजार 413 है। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 1 करोड़ 25 लाख 16 हजार 591 है, महिला मतदाताओं की संख्या 1 करोड़ 25 लाख 4 हजार 501 है और तीसरे लिंग के मतदाता 321 हैं। वहीं राजधानी क्षेत्र के कामरूप (मेट्रो) जिले की पांच सीटें क्रमश: 33 नं दिसपुर, 34 नं डिमोरिया, 35 नं न्यू गुवाहाटी, 36 नं गुवाहाटी सेंट्रल और 37 नं जालुकबाड़ी सीटें मिलाकर कुल मतदाताओं की संख्या 10,55,288 है। इसमें 5,07,857 पुरुष मतदाताओं के मुकाबले 5,47,400 महिला मतदाता और तृतीय लिंग के मतदाताओं की संख्या 31 है। कामरूप (मेट्रो) जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1,218 मतदान केंद्रों की व्यवस्था की गई है। इनमें दिसपुर क्षेत्र में 272, डिमोरिया में 262, न्यू गुवाहाटी में 219, गुवाहाटी सेंट्रल में 218 और जालुकबाड़ी क्षेत्र में 247 मतदान केंद्रों की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक क्षेत्र में एक आदर्श मतदान केंद्र की व्यवस्था की गई है। जिले में महिलाओं द्वारा संचालित कुल मतदान केंद्रों की संख्या 120 है। इनमें दिसपुर क्षेत्र में 21, डिमोरिया में 9, न्यू गुवाहाटी में 30, गुवाहाटी सेंट्रल में 39 और जालुकबाड़ी क्षेत्र में 21 मतदान केंद्र महिलाओं द्वारा संचालित होंगे। कामरूप (मेट्रो) जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में इस बार के चुनाव में कुल 25 उम्मीदवारों ने प्रतिस्पर्धा की है और आगामी 9 अप्रैल को पूरे राज्य में मतदान आयोजित किया जाएगा और 4 मई को मतगणना का दिन निर्धारित किया गया है। इस बीच शिवसागर जिले में शिवसागर गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी मल्टीपरपज स्कूल में स्थापित स्ट्रांग रूम से आज सुबह से ईवीएम का वितरण किया गया। प्रजाईडिंग ऑफिसर आवश्यक दस्तावेजों और चुनावी सामग्रियों के साथ मतदान केंद्रों की ओर प्रस्थान कर चुके हैं, ताकि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक शिवसागर जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 5,70,562 है। जिले में कुल 741 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें 150 महिला संचालित मतदान केंद्र और 10 मॉडल मतदान केंद्र शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि कार्बी आंग्लांग, डिमा हसाओ, धेमाजी आदि जिलों के दूर दराज इलाकों में स्थित मतदान केंद्रों के लिए मतदान कर्मी मंगलवार को ही मतदान सामग्री के साथ रवाना हो गए थे। **वहीं** असम के कामरूप (मेट्रो) जिले में गुवाहाटी समेत पांच विधानसभा क्षेत्रों के 1,218 पोलिंग स्टेशनों के लिए 10 हजार से अधिक चुनाव कर्मी बुधवार सुबह ईवीएम, वीवीपैट मशीन आदि जैसे चुनाव सामग्री के साथ रवाना हुए। गुवाहाटी में कामरूप (मेट्रो) के जिला आयुक्त और जिला चुनाव अधिकारी स्वप्निल पाल ने बताया कि जिले में कुल 1,218 पोलिंग स्टेशन हैं। पांचों विधानसभा क्षेत्रों में 33 दिसपुर में 272 पोलिंग स्टेशन, 34 डिमोरिया में 262 पोलिंग स्टेशन, 35 न्यू गुवाहाटी में 219 पोलिंग स्टेशन, 36 गुवाहाटी सेंट्रल में 218 पोलिंग स्टेशन और 37 जालुकबाड़ी में 247 पोलिंग स्टेशन हैं। इसके साथ ही हर सेंटर में एक मॉडल पोलिंग स्टेशन बनाया गया है। मतदान सामग्री के आसानी से वितरण के लिए मनीराम दीवान ट्रेड सेंटर में एक केंद्रीय वितरण और रिसेप्शन सेंटर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि कामरूप (मेट्रो) जिले में कुल 10,55,288 वोटर हैं। इनमें से 5,07,857 पुरुष, 5,47,400 महिलाएं और 31 थर्ड जेंडर वोटर हैं। जिले में कुल 120 पोलिंग स्टेशन ऐसे हैं जिन्हें महिलाएं मैनेज करेंगी। इनमें से 21 दिसपुर में, 9 डिमोरिया में, 30 न्यू गुवाहाटी में, 39 गुवाहाटी सेंट्रल में और 21 जालुकबारी में हैं। इस बार इन पांच चुनाव क्षेत्र में कुल 25 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। जिला चुनाव अधिकारी ने कहा कि पूरे चुनाव कार्यक्रम के लिए 10 हजार से अधिक मतदान कर्मियों तैनात किए गए हैं। वे हर लेवल पर असरदार कोऑर्डिनेशन और मैनेजमेंट पक्का करेंगे। सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर पोलिंग स्टेशन पर पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। जिलाधिकारी स्वप्निल पाल ने उम्मीद जताई कि इन सभी उपायों से जिले में मतदान कार्य स्वच्छ, वोटिंग प्रोसेस निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी हो जाएगा। **कोकराझाड़** से हमारे एजेंसी व संवाददाता के अनुसार असम विधानसभा चुनाव 2026 के तहत कोकराझाड़ जिले में मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला प्रशासन ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। मतदान 9 अप्रैल को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। असम विधानसभा चुनाव-2026 के लिए प्रशासनिक तैयारियों के बीच आज कोकराझाड़ जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों के लिए मतदान दलों को रवाना किया गया। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदानकर्मियों को मतदान सामग्री के साथ निर्धारित गंतव्यों तक भेजा गया। सुबह से ही निर्वाचन कार्यालय में गहमागहमी का माहौल रहा। चुनाव अधिकारियों ने मतदान दलों को आवश्यक निर्देश दिए और मतदान प्रक्रिया को निर्विघ्न संपन्न कराने की अपील की। मतदान दलों को सुरक्षा बलों की निगरानी में बसों और अन्य वाहनों के जरिए उनके बूथों की ओर रवाना किया गया। जिले में कुल 7,08,805 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें गोसाईगांव, दोतमा (एसटी), कोकराझाड़ (एसटी), बाओखुंगुरी और परबतझोरा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। सभी क्षेत्रों में मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कुल 4172 मतदान कर्मियों की नियुक्ति की गई है। इनमें 1043 प्रीसाइडिंग ऑफिसर, 1043 प्रथम मतदान अधिकारी, 1043 द्वितीय मतदान अधिकारी और 1043 तृतीय मतदान अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा, जिले में 52 महिला मतदान केंद्र तथा 5 मॉडल मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत कड़े इंतजाम किए गए हैं। कुल 33 कंपनियां केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनात की गई हैं। इसके अतिरिक्त 944 पुलिस कर्मियों और 487 होमगार्ड को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी पर लगाया गया है। जिला प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें। प्रशासन ने यह भी आश्वासन दिया है कि सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार होजाई जिला प्रशासन ने पूरे जिले के सभी मतदान केंद्रों पर चुनावी कर्मचारियों और सामग्री को सफलतापूर्वक पहुंचा दिया है। प्रत्येक दल अपनी जगह पर पहुंच चुका है और आवश्यक तैयारियां पूरी होने के साथ ही सुचारू एवं पारदर्शी चुनाव के लिए मंच सज्जित हो गया है। जिला प्रशासन ने गर्व के साथ घोषणा की है कि महिला संचालित मतदान केंद्र कल, 9 अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। निष्ठावान महिला कर्मचारी पहले से ही केंद्रों पर उपस्थित हैं और सुचारू व सुरक्षित मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए संकल्पबद्ध हैं। होजाई के आयुक्त देव प्रसाद मिश्र ने नागरिकों से निर्भीक होकर आकर अपने मताधिकार का उपयोग करने का आह्वान किया है। जिले के 984 मतदान केंद्रों पर पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह सज्जित है। आइए, लोकतंत्र के इस महान पर्व में भागीदार बनें। कल अपने बहुमूल्य वोट से हमारे लोकतंत्र को मजबूत करें।

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 244 | गुवाहाटी | गुरुवार, 9 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

स्थानीय निकाय चुनावों में देरी पर गहलोत का हमला पेज 5
ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी चौतरफा तेजी का रुख पेज 6
आईपीएल में सबसे धीमे शतक का रिकार्ड है विराट सहित इन खिलाड़ियों के नाम पेज 7
रैशेज की समस्या को दूर करने के कारगर उपाय पेज 8

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

बिना कष्ट के ये जीवन एक बिना नाविक के नाव जैसा है, जिसमे खुद का कोई विवेक नहीं। एक हल्के हवा के झोके मे भी चल देता है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

विस चुनाव : असम में मतदान आज, सभी तैयारियां पूरी

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स.)। असम में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल (गुरुवार) को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। असम की 126 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की किस्मत 09 अप्रैल को ईवीएम में बंद हो जाएगी। इन सभी सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया एक ही चरण में पूरी की जाएगी। असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई, 2026 को समाप्त होने वाला है। असम चुनाव के लिए 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर 25,054,463 मतदाता मताधिकार के हकदार हैं और इन सभी मतदान केंद्रों की निगरानी लाइव वेबकास्ट के जरिए की जाएगी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय से जारी जानकारी में कहा गया है कि सीईओ अनुराग गोयल की अगुवाई में सभी संबंधित अधिकारी मतदान प्रक्रिया से जुड़ी अपनी जिम्मेदारियां देख रहे हैं। कानून-व्यवस्था और चुनाव खर्च समेत सभी पहलुओं की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने पहले ही केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात कर दिया है। निगरानी व्यवस्था और मजबूत करने के लिए आयोग के निर्देशों के मुताबिक वेबकास्टिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। सभी 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर वेबकास्टिंग की सुविधाएं चालू कर दी गई हैं, इनमें 31,486 मुख्य मतदान केंद्र और 4 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। इससे जिला चुनाव अधिकारियों, मुख्य चुनाव अधिकारी और भारत के चुनाव आयोग के दफ्तरों से मतदान प्रक्रिया की रियल-टाइम (लाइव) निगरानी करना मुमकिन हो पाएगा। इसके अलावा, मतदान केंद्रों पर सुरक्षा पक्की करने के लिए, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ, जिनमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी शामिल हैं, को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सूक्ष्म-पर्यवेक्षकों को भी तैनात किया गया है। चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए कुल 151,132 मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया के लिए 41,320 बैलेट यूनिट, 43,975 कंट्रोल यूनिट -शेष पृष्ठ छह पर

असम चुनाव : सीमा पर सुरक्षा कड़ी की गई

कछार के 95 संवेदनशील मतदान केंद्रों को सुरक्षित किया गया

सिलचर। गुरुवार को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले व्यापक सुरक्षा व्यवस्था करते हुए, कछार जिला प्रशासन ने अंतरराज्यीय सीमाओं को बहुस्तरीय तैनाती रणनीति के साथ मजबूत किया है, जिसमें संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है ताकि बिना किसी घटना के मतदान सुनिश्चित किया जा सके। जिला आयुक्त आयुष गर्ग ने कहा कि पड़ोसी राज्यों, विशेष रूप से मणिपुर से सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात कर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने मीडिया से कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से अंतरराज्यीय सीमा क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण हैं। हमने अतिरिक्त बल तैनात किए हैं और मतदान के दौरान किसी -शेष पृष्ठ छह पर

खड़गे और खेड़ा मामले में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल और पार्टी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाजपा को दलित विरोधी बताया। युवा कांग्रेस के आज यहां जंतर-मंतर पर किए गए प्रदर्शन में संगठन के -शेष पृष्ठ छह पर

असम की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मान्यता : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य के विभिन्न जाति-जनजातियों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत ने हाल के समय में विश्व स्तर पर असम की एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि विश्व की अन्य लोक संस्कृतियों की तरह असम की लोक संस्कृति भी प्राचीन और अत्यंत समृद्ध है। उन्होंने बताया कि इस सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को जनता का अभूतपूर्व समर्थन और सहयोग मिला है। बिहू, झूमर और बागरुंबा जैसे प्रमुख -शेष पृष्ठ छह पर

न्यूज गैलरी

अरुणाचल की दो जल विद्युत परियोजनाओं में निवेश को मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने अरुणाचल प्रदेश की दो जल विद्युत परियोजनाओं में निवेश को मंजूरी दी है। इसमें अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में 1200 मेगावाट की कलाई-टू जलविद्युत परियोजना और कामले, क्रा दाडी और कुरुंग कुमे जिलों में -शेष पृष्ठ छह पर

बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने जयशंकर से मुलाकात की

नई दिल्ली (हि.स.)। बांग्लादेश की नई सरकार के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान ने अपने पहले भारत दौरे में बुधवार को विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान जयशंकर ने संबंधों को और मजबूत करने की भारत की इच्छा को दोहराया। मुलाकात के बाद विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य में उम्मीद जताई है कि इसके बाद की आधिकारिक बैठकें जल्द ही आयोजित -शेष पृष्ठ छह पर

चुनाव : मतदान से एक दिन पहले कांग्रेस को झटका

उदालगुड़ी सीट से उम्मीदवार सुरेन दैमारी ने पार्टी छोड़ने का किया एलान

गुवाहाटी। असम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान से एक दिन पहले कांग्रेस को झटका लगा है। उदालगुड़ी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सुरेन दैमारी ने बुधवार को पार्टी छोड़ने और अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की। हालांकि, कांग्रेस ने कहा कि उन्होंने अभी तक पार्टी को अपना इस्तीफा नहीं सौंपा है। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में दैमारी का नाम रहेगा। नामांकन पत्र वापस लेने की समय सीमा काफी पहले समाप्त हो चुकी है। इसलिए, लोग उन्हें अभी भी वोट -शेष पृष्ठ छह पर

असम मामले में पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट का किया रुख, अग्रिम जमानत मांगी

हैदराबाद। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को तेलंगाना हाईकोर्ट रुख किया है। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनकी पत्नी रिनिकी भइयां शर्मा पर आरोप लगाने के बाद असम में उनके खिलाफ दर्ज मामले में अग्रिम जमानत के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पवन खेड़ा ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री ने मेरे पीछे पुलिस भेजी। पत्नी के पासपोर्ट और विदेशी संपत्तियों के बारे में सवालों का जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री की पत्नी की व्योमिंग (अमेरिकी राज्य) में पंजीकृत कंपनी के लंदन, दुबई और ढाका में पते दर्ज हैं। असम पुलिस का आरोप है कि खेड़ा ने मुख्यमंत्री के परिवार की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। जांच में दिल्ली स्थित खेड़ा के आवास से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं, जिनमें मामले से जुड़ी सामग्री होने का दावा किया गया है। यह विवाद तब शुरू हुआ, जब पांच अप्रैल को खेड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की। उन्होंने आरोप लगाया कि रिनीकी भइयां शर्मा के पास विदेशी पासपोर्ट हैं। दुबई में संपत्ति छिपाई गई है और वह अमेरिका में मुखौटा कंपनियों से जुड़ी हुई हैं। हालांकि, उन्होंने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने आरोपों को जाली दस्तावेजों पर आधारित बताया। उन्होंने कहा कि ये आरोप चुनाव से पहले भ्रम फैलाने के मकसद से लगाए गए हैं। उन्होंने मीडिया को -शेष पृष्ठ छह पर

गुजरातियों पर दिए विवादित बयान के लिए खड़गे ने मांगी माफी

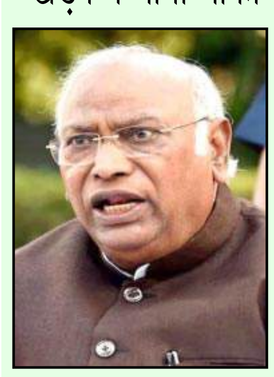

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुजरात के लोगों को लेकर दिए अपने बयान पर माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोगों के प्रति मेरे मन में हमेश सर्वोच्च सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। वहां के लोगों की भावनाओं को आहत करना मेरा कभी उद्देश्य नहीं था। रविवार को केरल के इडुक्की जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा था कि राज्य के लोग पढ़े-लिखे और समझदार हैं और गुजरात के अनपढ़ लोगों के विपरीत उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता। उनके इस बयान पर भाजपा ने निशाना साधा था। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि क्या राहुल गांधी खड़गे के -शेष पृष्ठ छह पर

त्रिपुरा : मुख्यमंत्री की रैली से लौट रहे भाजपा समर्थकों पर ग्रेनेड हमला और फायरिंग

अगरतला (हि.स.)। त्रिपुरा के खोवाई जिले के तेलियामुरा में मंगलवार रात उस वक्त तनाव फैल गया, जब कुछ बदमाशों ने मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा की रैली में शामिल होने के बाद लौट रहे भाजपा समर्थकों के वाहनों फायरिंग करते हुए ग्रेनेड से हमला कर दिया। ज्ञात हो कि, भाजपा समर्थक त्रिपुरा ट्राइबल एरियाज ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (एडीसी) चुनावों से पहले मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा की जनसभा से लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, यह हमला बीती रात मेरेंग बाजार के पास पराकाल्क इलाके में हुआ। हमलावरों ने कथित तौर पर गाड़ियों पर तीन राउंड फायरिंग की और एक ग्रेनेड से धमाका करने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि उनका मकसद मतदाताओं के बीच डर फैलाना था। इस हमले में कम से कम 10 लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई। हालांकि, पुलिस का कहना है कि प्रशासन प्रभावित इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए -शेष पृष्ठ छह पर

सारदा चिटफंड प्रमुख 13 साल बाद निकलेंगे जेल से बाहर

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित सारदा चिटफंड घोटाले के मुख्य आरोपित सुदीप्त सेन को सभी लंबित मामलों में जमानत मिल गई है और लगभग 12 वर्ष और 11 माह जेल में रहने के बाद उनकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। फिलहाल वह कोलकाता के प्रेसिडेंसी जेल में बंद हैं और संभावना है कि वह गुरुवार को रिहा हो सकते हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज की खंडपीठ ने बुधवार को -शेष पृष्ठ छह पर

चुनाव शांति अवधि में नियमों के पालन के लिए मीडिया को निर्देश

गुवाहाटी (हि.स.)। निर्वाचन अधिकारियों ने सभी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों को रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट, 1951 के प्रावधानों, विशेषकर धारा 126 का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। यह धारा मतदान समाप्ति से पूर्व 48 घंटे की शांति अवधि के दौरान चुनाव संबंधी सामग्री के प्रसारण पर रोक लगाती है। आधिकारिक पत्र के अनुसार, इस अवधि में किसी भी व्यक्ति या मंच द्वारा चुनाव से संबंधित सार्वजनिक बैठक या जुलूस आयोजित करने, उसमें भाग लेने या संबोधित करने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा, टेलीविजन, सिनेमेटोग्राफी या अन्य माध्यमों से चुनावी सामग्री का प्रसारण या प्रदर्शन भी पूरी तरह निषिद्ध है। निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से किसी भी प्रकार के मनोरंजन कार्यक्रम—जैसे संगीत समारोह, नाट्य प्रदर्शन या अन्य सार्वजनिक आयोजन—के माध्यम से चुनावी प्रचार-प्रसार करना भी शांति अवधि में प्रतिबंधित रहेगा। कानूनी -शेष पृष्ठ छह पर

सीजफायर के बाद ट्रंप का टैरिफ अटैक

ईरान को हथियार देने वाले देशों पर लगेगा 50 प्रतिशत अधिक शुल्क

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान के बीच सीजफायर के बाद आज बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान के मददगारों को साफ संदेश दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि जो भी देश ईरान को सैन्य हथियार सप्लाई करेगा, उसके द्वारा अमेरिका को बेचे जाने वाले सभी तरह के सामानों पर तुरंत 50 प्रतिशत का टैरिफ (शुल्क) लगा दिया जाएगा। ट्रंप ने आगे लिखा कि यह नियम तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इसमें किसी भी तरह की कोई छूट या रियायत नहीं दी जाएगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस पोस्ट से ठीक पहले एक और पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अमेरिका और -शेष पृष्ठ छह पर

अमेरिका-ईरान दो हफ्ते के संघर्ष विराम पर सहमत, इजराइल भी राजी

वाशिंगटन/तेल अवीव/लेबनान/इस्लामाबाद (हि.स.)। अमेरिका और ईरान दो सप्ताह के संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। ईरान के 10 सूत्री प्रस्ताव पर यह समझौता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की समयसीमा से दो घंटे से भी कम समय पहले हुआ। ट्रंप ने मंगलवार की समय सीमा तय करते हुए तेहरान से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने या फिर समूची सभ्यता को मिटा दिए जाने का सामना करने की चेतावनी दी थी। मंगलवार देर रात ट्रंप की सहमत होने की घोषणा उनकी असाधारण चेतावनी से एकदम उलट रही। यह घोषणा पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के मध्यस्थता प्रयासों के बाद सामने आई। गल्फ न्यूज, अल जजीरा, तसनीम, सीबीएस न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने पुष्टि की है कि अगले दो हफ्तों तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति ईरानी सेना के प्रबंधन में दी जाएगी। अराकची ने बुधवार तड़के -शेष पृष्ठ छह पर

सीजफायर के बाद ईरान की वॉर्निंग-

बिना अनुमति होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को उड़ा देंगे

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच 40 दिनों के बाद सीजफायर पर आखिरकार सहमती बन गई है। बुधवार को ट्रंप की डेडलाइन से पहले ईरान ने 10 सूत्रीय योजना की पेशकश की, जिस पर अमेरिका राजी हो गया। सीजफायर समझौते में एक बिंदु यह भी था कि युद्धविराम तभी होगा जब होर्मुज स्ट्रेट को पहले की तरह खोल दिया जाएगा। इन सबके बीच ईरानी नौसेना ने फिर होर्मुज जलडमरूमध्य के पास मौजूद जहाजों को चेतावनी जारी की है। आईआरजीसी ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने के लिए उन्हें अभी भी ईरान -शेष पृष्ठ छह पर

संपादकीय

ट्रंप की 'तबाह' धमकी

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार रात्रि 10.30 बजे के करीब मीडिया को संबोधित कर एक बार फिर धमकी दी कि अमरीका एक ही रात में ईरान को खत्म कर सकता है। तबाह और बर्बाद कर सकता है। यह रात कल (मंगलवार) भी हो सकती है। भारतीय समयानुसार बुधवार, सुबह 5.30 बजे राष्ट्रपति ट्रंप की 'डेडलाइन' है। उसके बाद कयामत के लम्हे कभी भी सामने आ सकते हैं। ईरान ने इस धमकी का पलटजवाब दिया है कि न तो होर्मुज स्ट्रेट खुलेगा और न ही जंग रुकेगी। ईरान के कथित सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का बयान भी सार्वजनिक किया गया है कि हम कुर्बानी देने से नहीं घबराते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अमरीकी सेना ईरान के बिजली संयंत्रों, पुलों, जल-संयंत्रों पर ऐसे ताबड़तोड़ हमले करेगी कि ईरान अंधकार में डूब जाएगा। वह 'पाषाण-युग' वाला दृश्य ही होगा। क्या फिर भी ईरान 'समझौता' नहीं करना चाहता, सरेंडर नहीं करना चाहता? ईरान ने ऐसे समझौतापरस्त प्रस्तावों को भी खारिज कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक एयरमैन सैनिक को बचाने के सैन्य अभियान की खूब तारीफ की। राष्ट्रपति ने खुलासा किया कि ऑपरेशन में 200 कमांडो, सैनिक और 21 विमानों ने शिरकत की। यह इतिहास का सबसे कठिन और सफल बचाव था। अमरीकी सैनिक दुश्मन देश और उसकी जमीन से अपने एयरमैन सैनिक को बचाकर ले आए, ऐसा ऑपरेशन कभी नहीं हुआ। अनुमान है कि एक वायु-सैनिक को बचाने पर अमरीका ने 30 करोड़ डॉलर खर्च कर दिए। युद्ध में अन्य देशों के सैनिक, मासूम और गैर-सैन्य नागरिक भी मारे गए हैं। क्या उनकी जिंदगियां, अमरीकी सैनिक की तरह, कीमती और अनिवार्य नहीं थीं? अमरीकी सेना ने ईरान पर 13,000 से अधिक हमले किए हैं। लगभग इतने ही हमले इजरायली सेना ने किए हैं। करीब 2100 ईरानी नागरिक, 250 बच्चों समेत, मारे गए हैं। कुछ विशेषज्ञ तो मरने वाले ईरानियों की संख्या 5000 से अधिक बताते हैं और 10 लाख से ज्यादा विस्थापित हुए हैं। अमरीकी राष्ट्रपति अब भी ईरान को तबाह, पाषाणकालीन, करना चाहते हैं। ईरान के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर राष्ट्रपति पद की मर्यादा भी नीलाम कर रहे हैं, लिहाजा अमरीकी संसद में '25वां संशोधन' लागू करने की पुरजोर मांग उभरी है। इसमें ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी और विपक्ष की डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर, सांसद शामिल हैं। अभी तक इस संशोधन के तहत किसी भी राष्ट्रपति को हटाया नहीं जा सका है। दरअसल यह युद्ध ही 'अवैध' है। अमरीका के संविधान और कानून के मुताबिक यह युद्ध अवैध है, क्योंकि अमरीकी कांग्रेस (संसद) की अनुमति नहीं ली गई है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2 (4) के मुताबिक, किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग नहीं किया जा सकता। ये भी नियम हैं कि नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा सकता, अस्पतालों और चिकित्साकर्मियों पर हमले नहीं किए जा सकते, लेकिन ईरान युद्ध में तमाम कायदे-कानूनों का सरेआम, घोर उल्लंघन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुच्छेद 52 में यह प्रावधान है कि कोई भी देश आत्मरक्षा के लिए युद्ध कर सकता है, लेकिन बाद में सुरक्षा परिषद की स्वीकृति प्राप्त करनी जरूरी है। इस युद्ध ने ही जापान, जर्मनी सरीखे देशों को परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर बाध्य किया है। जापान के पास इतना सर्वाधिक यूरेनियम और अन्य सामग्री है कि वह 5000 से अधिक परमाणु बम बना सकता है। अर्थात रूस और अमरीका की होड़ में शामिल हो सकता है। फ्रांस ने तय किया है कि वह 2030 तक मिसाइलों और ड्रोन की क्षमता 400 फीसदी बढ़ाएगा। आसन्न युद्ध की तैयारियां...! बहरहाल युद्ध के 39 दिन बीत चुके हैं। दुनिया में हड़कंप मचा है। होर्मुज में करीब 3000 जहाज फंसे हैं, जाहिर है कि उनमें कच्चा तेल, गैस, अन्य आवश्यक वस्तुएं होंगी, जो देशों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। विश्व में मंदी के आसार बताए जा रहे हैं। यदि तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक उछल गईं, तो मुद्रास्फीति 7-8 फीसदी तक जा सकती है और देशों की जीडीपी की विकास दर 2 फीसदी कम हो सकती है।

ईरान ने इस धमकी का पलटजवाब दिया है कि न तो होर्मुज स्ट्रेट खुलेगा और न ही जंग रुकेगी। ईरान के कथित सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का बयान भी सार्वजनिक किया गया है कि हम कुर्बानी देने से नहीं घबराते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अमरीकी सेना ईरान के बिजली संयंत्रों, पुलों, जल-संयंत्रों पर ऐसे ताबड़तोड़ हमले करेगी कि ईरान अंधकार में डूब जाएगा। वह 'पाषाण-युग' वाला दृश्य ही होगा। क्या फिर भी ईरान 'समझौता' नहीं करना चाहता, सरेंडर नहीं करना चाहता? ईरान ने ऐसे समझौतापरस्त प्रस्तावों को भी खारिज कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक एयरमैन सैनिक को बचाने के सैन्य अभियान की खूब तारीफ की। राष्ट्रपति ने खुलासा किया कि ऑपरेशन में 200 कमांडो, सैनिक और 21 विमानों ने शिरकत की। यह इतिहास का सबसे कठिन और सफल बचाव था। अमरीकी सैनिक दुश्मन देश और उसकी जमीन से अपने एयरमैन सैनिक को बचाकर ले आए, ऐसा ऑपरेशन कभी नहीं हुआ। अनुमान है कि एक वायु-सैनिक को बचाने पर अमरीका ने 30 करोड़ डॉलर खर्च कर दिए। युद्ध में अन्य देशों के सैनिक, मासूम और गैर-सैन्य नागरिक भी मारे गए हैं।

अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध के चलते गैस आधारित ऊर्जा संयंत्रों में उत्पादन ठप

कोयले से ऊर्जा उत्पादन की ओर लौटती दुनिया

प्रमोद भार्गव

रूस-यूक्रेन, इजरायल-फिलीस्तीन और अब अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध ने ऐसे विकट हालात पैदा कर दिए हैं कि दुनिया ऊर्जा संकट की कमी झेलने लगी है। अतएव जिन देशों ने ऊर्जा उत्पादन के गैस आधारित उपाय कर लिए थे, वे अब अपने कोयले से चलने वाले बंद पड़े ऊर्जा संयंत्रों को चालू करने की तैयारी में जुट गए हैं। क्योंकि इस युद्ध में तेल भंडारों के साथ गैस से बनने वाली बिजली संयंत्रों पर युद्ध के दौरान बड़े हमले हुए हैं। ईरान ने पश्चिम एशियाई देशों में स्थित अनेक ऊर्जा संयंत्रों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। दूसरी तरफ अमेरिका एवं इजरायल ने ईरान के परमाणु और गैस ऊर्जा संयंत्रों को ध्वस्त कर दिया है। इस गल्फ वार ने दुनिया में गैस की किल्लत पैदा कर दी है। नतीजतन जापान, जर्मनी, बांग्लादेश, नीदरलैंड, पोलैंड और चेक गणराज्य जैसे देशों ने जीवाश्म ईंधन, अर्थात कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों को फिर से चालू करने का निर्णय ले लिया है।

जलवायु परिवर्तन के घातक संकेतों के चलते दुनिया गैस आधारित ऊर्जा उत्पादन की ओर तेजी से बढ़ी थी। किंतु पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-फिलीस्तीन और अब अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध ने ऐसे विकट हालात पैदा कर दिए हैं कि दुनिया ऊर्जा संकट की कमी झेलने लगी है। अतएव जिन देशों ने ऊर्जा उत्पादन के गैस आधारित उपाय कर लिए थे, वे अब अपने कोयले से चलने वाले बंद पड़े ऊर्जा संयंत्रों को चालू करने की तैयारी में जुट गए हैं। क्योंकि इस युद्ध में तेल भंडारों के साथ गैस से बनने वाली बिजली संयंत्रों पर युद्ध के दौरान बड़े हमले हुए हैं। ईरान ने पश्चिम एशियाई देशों में स्थित अनेक ऊर्जा संयंत्रों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। दूसरी तरफ अमेरिका एवं इजरायल ने ईरान के परमाणु और गैस ऊर्जा संयंत्रों को ध्वस्त कर दिया है। इस गल्फ वार ने दुनिया में गैस की किल्लत पैदा कर दी है। नतीजतन जापान, जर्मनी, बांग्लादेश, नीदरलैंड, पोलैंड और चेक गणराज्य जैसे देशों ने जीवाश्म ईंधन, अर्थात कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों को फिर से चालू करने का निर्णय ले लिया है। जबकि ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार 2015 से यूरोप में कोयले से बिजली बनाने की क्षमता में 45 प्रतिशत की गिरावट आ गई थी।

दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को लंबे समय से गैस आधारित बिजली को एक 'ब्रिज फ्यूल' के तौर पर बेचा जाता था। अर्थात कोयले का एक ऐसा स्वच्छ विकल्प मिल गया था, जो सस्ता होने के साथ भरोसे का भी है। इसके प्रयोग में कार्बन का उत्सर्जन भी शून्य रहता है। अतएव ऊर्जा उत्पादन में इसकी उपयोगता निरंतर बढ़ रही थी। लेकिन ऊर्जा संयंत्रों पर हमलों के चलते गैस का संकट लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में इंटरनेशनल ऊर्जा एजेंसी का दावा है कि गैस की कमी और उसकी बढ़ती कीमतों के चलते सरकारें, उद्योग और घर-परिवार दूसरे विकल्पों की तलाश करेंगे। इसलिए कोयले का इस्तेमाल होना तय है। कोयले से बिजली बनेगी तो कॉर्बन का भी बड़ी मात्रा में उत्सर्जन होगा। इस विषयक गोल्डमेन सैक्स ग्रुप्र में कमोडिटीज रिसर्च का कहना है कि हम ऊर्जा आपूर्ति में आया दूसरा बहुत बड़ा झटका अनुभव कर रहे है। ऐसे में इस बात की आशंका है कि कई देशों को लंबे समय तक कोयले पर निर्भर रहना पड़ सकता है। गैस की कमी के चलते यूरोप और एशिया के कई देश कोयले से बिजली उत्पादन को मजबूर हो जाएंगे। दुनिया के सबसे बड़े गैस आयातक देशों में से एक जापान ने तो ही भी दिया है कि हम कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों को चालू करने जा रहे हैं। यूरोपीय देश भी 20 प्रतिशत से अधिक बिजली का उत्पादन कोयले से करने लग जाएंगे। इससे वायुमंडल में बढ़ते तापमान के वैश्विक उपायों को बड़ा झटका लग सकता है।

2018 का ऐसा वर्ष था, जब भारत और चीन में कोयले से बिजली उत्पादन में कमी दर्ज की गई थीं। नतीजतन भारत पहली बार इस वर्ष के 'जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक' में शीर्ष दस देशों में शामिल हो गया था। वहीं

अमेरिका सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल हुआ था। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में 'कॉप 25' जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार 57 उच्च कार्बन उत्सर्जन वाले देशों में से 31 में उत्सर्जन का स्तर कम होने के रुझान इस रिपोर्ट में दर्ज थे। उन्हीं देशों से 90 प्रतिशत कार्बन का उत्सर्जन होता रहा है। इस सूचकांक ने तय किया था कि कोयले की खपत में कमी सहित कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। इस सूचकांक में चीन में भी मामूली सुधार हुआ था। नतीजतन वह तीसवें स्थान पर रहा है। जी-20 देशों में ब्रिटेन सातवें और भारत को नवीं उच्च श्रेणी हासिल हुई थी। जबकि आस्ट्रेलिया 61 और सऊदी अरब 56वें क्रम पर हैं। अमेरिका खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में इसलिए आ गया था, क्योंकि उसने जलवायु परिवर्तन की खिल्ली उड़ाते हुए इस समझौते से बाहर आने का निर्णय ले लिया था।

दुनिया की लगभग 37 प्रतिशत बिजली का निर्माण थर्मल पावरों में किया जाता है। इन संयंत्रों की भट्टी में कोयले को झोंका जाता है, तब कहीं जाकर बिजली का उत्पादन होता है। ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1500 ईंसवीं में बड़ी मात्रा में कोयले के उत्खनन की शुरूआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का प्रयोग लंबे समय तक होता रहा। दुनिया की रेलें भी कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने और ठंड से बचने के उपाय भी लकड़ी जलाकर किए जाते रहे हैं। अतएव धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की शुरुआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी। इसके बाद जब इन दुष्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणाम स्वरूप जापान के क्योटो शहर में 16 फरवरी 2005 को पृथ्वी के बढ़ते तापमान के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो प्रोटोकॉल अंतर्राष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इस संधि में शामिल देशों ने ग्रीन हाउस अर्थात मानव उत्सर्जित गैसों को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानियों ने एक राय होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान बढ़ रहा है, जो जीवाश्म ईंधन का पर्याय है। 192 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए हुए हैं।

लेकिन वर्तमान में चल रहे भीषण युद्धों ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी।

देश दुनीया से

भारतीय समाज : रिश्तों में आती दरारें व टूटती सुगंध

भारतीय समाज सदियों से अपने मजबूत पारिवारिक मूल्यों, आपसी प्रेम, विश्वास और सामूहिकता के लिए जाना जाता रहा है। 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की शैली रही है। यहां रिश्तों की डोर केवल खून के संबंधों तक सीमित नहीं थी, बल्कि पड़ोसी, मित्र और समाज के हर व्यक्ति के साथ आत्मीय जुड़ाव महसूस किया जाता था। लेकिन आधुनिक समय में यह सुगंध धीरे-धीरे फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। रिश्तों में दरारें बढ़ रही हैं और विश्वास का आधार कमजोर होता जा रहा है। आज के दौर में सबसे बड़ा बदलाव जीवनशैली में आया है। भागदौड़ भरी जिंदगी, प्रतिस्पर्धा और भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ ने इनसान को आत्मकेंद्रित बना दिया है। पहले परिवार के साथ बैठकर भोजन करना, सुख-दुख साझा करना और एक-दूसरे की भावनाओं को समझना सामान्य बात थी। लेकिन अब मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने वास्तविक संवाद को काफी हद तक कम कर दिया है। लोग आभासी दुनिया में अधिक सक्रिय हैं, जबकि वास्तविक रिश्तों में दूरी बढ़ती जा रही है। रिश्तों में दरार का एक प्रमुख कारण संवाद की कमी है। जब लोग खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करते, तो गलतफहमियां जन्म लेती हैं। छोटी-छोटी बातों को दिल में रखना, अहंकार के कारण पहल न करना और अपनी गलती स्वीकार न करना- ये सभी बातें रिश्तों को कमजोर करती हैं। पहले परिवार में बुजुर्गों का मार्गदर्शन होता था, जो हर विवाद को सुलझाने में अहम भूमिका निभाते थे। आज संयुक्त परिवारों का विघटन होने से यह संतुलन भी टूट गया है। आर्थिक दबाव भी रिश्तों पर गहरा असर डाल रहा है। बढ़ती महंगाई, नौकरी की अनिश्चितता और करियर की चिंता ने लोगों को मानसिक रूप से तनावग्रस्त कर दिया है। इस तनाव का प्रभाव सीधे पारिवारिक संबंधों पर पड़ता है। पति-पत्नी के बीच विवाद, माता-पिता और बच्चों के बीच दूरी, और भाई-बहनों के बीच संपत्ति को लेकर झगड़े- ये सब आज के समाज में आम होते जा रहे हैं। रिश्ते अब भावनाओं के बजाय स्वार्थ और लाभ-हानि के तराजू पर तौले जाने लगे हैं। इसके अलावा, बदलती सोच और पीढ़ियों के बीच बढ़ता अंतर भी रिश्तों में खटास का कारण बन रहा है। नई पीढ़ी स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्पेस को प्राथमिकता देती है, जबकि पुरानी पीढ़ी पारंपरिक मूल्यों को महत्व देती है। इस सोच के टकराव से टकराव की स्थिति उत्पन्न होती है। यदि दोनों पीढ़ियां एक-दूसरे को समझने का प्रयास करें, तो इस दूरी को कम किया जा सकता है, लेकिन अक्सर ऐसा नहीं हो पाता। मीडिया और मनोरंजन के बदलते स्वरूप ने भी समाज के मूल्यों को प्रभावित किया है। फिल्मों और धारावाहिकों में दिखाए जाने वाले संबंधों की जटिलता और कभी-कभी नकारात्मक चित्रण का प्रभाव

मजबूत पारिवारिक मूल्यों, आपसी प्रेम, विश्वास और सामूहिकता के लिए जाना जाता रहा है। 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन जीने की शैली रही है। यहां रिश्तों की डोर केवल खून के संबंधों तक सीमित नहीं थी, बल्कि पड़ोसी, मित्र और समाज के हर व्यक्ति के साथ आत्मीय जुड़ाव महसूस किया जाता था। लेकिन आधुनिक समय में यह सुगंध धीरे-धीरे फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। रिश्तों में दरारें बढ़ रही हैं और विश्वास का आधार कमजोर होता जा रहा है। आज के दौर में सबसे बड़ा बदलाव जीवनशैली में आया है।

लोगों की सोच पर पड़ता है। इससे रिश्तों के प्रति लोगों की धारणा बदलती है और वे वास्तविक जीवन में भी उसी तरह के व्यवहार को अपनाने लगते हैं। हालांकि स्थिति पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। आज भी भारतीय समाज में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां लोग रिश्तों को संजोकर रखते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में भी एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ते। जरूरत है तो केवल इस बात की कि हम अपने मूल्यों को पुनः पहचानें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। रिश्तों की सुगंध को बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी है संवाद और समझ। हमें अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना चाहिए, उनकी बातों को ध्यान से सुनना चाहिए और अपनी भावनाओं को ईमानदारी से व्यक्त करना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज करना और माफी मांगने की आदत विकसित करना रिश्तों को मजबूत बनाता है। इसके साथ ही, हमें भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में मानवीय मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए। पैसा और सफलता जरूरी हैं, लेकिन उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं हमारे रिश्ते और उनका स्नेह। परिवार के साथ बिताया गया समय, एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना- यही असली सुख का आधार है। शिक्षा प्रणाली में भी नैतिक मूल्यों और जीवन कौशल पर अधिक जोर देने की आवश्यकता है, ताकि नई पीढ़ी रिश्तों के महत्व को समझ सके। माता-पिता और शिक्षक बच्चों को केवल करियर की दिशा ही न दिखाएं, बल्कि उन्हें एक अच्छा इनसान बनने की भी प्रेरणा दें। रिश्तों के टूटने का एक बड़ा कारण संवादहीनता है। आज लोग अपने काम और व्यस्तताओं में इतने उलझ गए हैं कि एक-दूसरे के लिए समय निकालना कठिन हो गया है। मोबाइल और सोशल मीडिया ने भले ही दूरियों को कम किया हो, लेकिन वास्तविक बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव को कमजोर कर दिया है। परिणामस्वरूप, गलतफहमियां बढ़ती हैं और रिश्ते में दरार पड़ने लगती है। इसके अलावा अहंकार (ईगो) भी रिश्तों के टूटने का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। आज के समय में लोग अपनी बात को सही साबित करने में अधिक रुचि रखते हैं, बजाय इसके कि वे संबंधों को बचाने के लिए समझौता करें। 'मैं' की भावना 'हम' पर भारी पड़ रही है, जिससे आपसी मतभेद बढ़ते हैं और रिश्ते कमजोर होते जाते हैं। आर्थिक स्वतंत्रता भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। खासकर महिलाओं की शिक्षा और आत्मनिर्भरता ने उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाया है, जो सकारात्मक परिवर्तन है। लेकिन कभी-कभी यह स्वतंत्रता आपसी टकराव का कारण भी बन जाती है, जब दोनों पक्ष अपनी-अपनी बात पर अड़े रहते हैं और समझौते की भावना कम हो जाती है। पीढ़ियों के बीच बढ़ती खाई भी रिश्तों में तनाव का कारण बन रही है। बुजुर्गों की सोच और युवाओं के विचारों में अंतर होने के कारण टकराव उत्पन्न होता है। जहां एक ओर बुजुर्ग पारंपरिक मूल्यों को बनाए रखना चाहते हैं, वहीं युवा आधुनिकता और स्वतंत्रता को प्राथमिकता देते हैं। इस अंतर को यदि संवाद और समझदारी से न सुलझाया जाए, तो संबंधों में दूरी आना स्वाभाविक है। रिश्तों को टूटने से बचाने के लिए सबसे आवश्यक है संवाद, समझ और सहनशीलता। हमें एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और समय निकालकर अपने प्रियजनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना चाहिए।

कुछ अलग

मे शी लिव लांग

कई दिनों से महसूस कर रहा था कि मेरी अगल बगल के बुद्धिजीवी अजीब सी हंसी हंस रहे हैं। कुत्ते रोएं तो अब अपशकुन नहीं होता। आजकल बुद्धिजीवियों के हंसने पर किसी अज्ञात अपशकुन की पूरी संभावनाएं होती हैं। और वही हुआ जिस बात की मुझे आशंका थी। ज्यों ही इधर उधर से जुगाड़ कर अपने नाम से छपने वाले अपने प्रिय ने खबर दी कि बेचारी शी गंभीर हालत में वेंटिलेटर पर है तो मेरी आशंका सच में बदल गई। दवाओं और दुआओं पर तो खैर वह उसी दिन चली गई थी जिस दिन उसने जन्म लिया था। वैसे देखा जाए तो सडक़ से लेकर संसद तक सीरियस लगभग सभी चले हैं। एक दूसरे को किसी की बीमारी का पता न चले, इसलिए सब सबके सामने अपने अपने दिमाग में हजारों बीमारियां छिपाए फिट रहने का दिखावा कर रहे हैं। पर सवाल बेचारी शी की बीमारी को लेकर था। कारण, शी के बूते ही मैं मूर्धन्य साहित्यकार बना हूं। अगर ये शी न होती तो मेरे साहित्य को कुत्ता भी न पूछता। शी के वेंटिलेटर की खबर सुन मैं नंगे पांव ही उसके हाल चाल पूछने उसके पास पहुंचा तो देखा, वह सच्ची को अपनी अंतिम सांसें अपने आसपास बैठे उसको चाटने वालों से गिनवा रही है निश्चेतन! उसके आसपास उसके नामी, कामी, कामिक, कामुक, कामित, नामित सदस्य परेशानी में भी हंसते मुस्कुराते बैठे लेटे थे। उसमें बूंद भर भी खून न होने के बाद भी कोई उसकी हाथ की उंगली अपने मुंह में ले चूस रहा था तो कोई पांव की। उसके ऊपर से नीचे तक पाइपें लगी थीं। वह पाइपों से सांस ले रही थी, पाइपों से सांस छोड़ रही थी। पाइपों से फूड ले रही थी।

आप का नजरीया

आगबबूला हिमाचल

अब बात-बेबात पर गुस्सा आने लगा, हर जज्बात पर गुस्सा आने लगा। कानून के पहिए वहां भाग रहे, कोई वीआईपी व्यस्त है सारे मुकाम पर। ऊना के एक गांव में लाल बागबानी का परिचय छह साल की बच्ची को मिला, जब उसने चलते-चलते अमरूद तोड़ लिया। बागीचे के मालिक ने इस हरकत के खिलाफ अपना कानून तैयार किया और मासूम को बंधक बनाकर सजा दे डाली। इस घटना का अंजाम कुछ भी हो सकता था, लेकिन एक युवा के प्रयास ने बहरी-गूंगी खिड़कियां खोल डालीं। जाहिर है समाज के बीच अब यह बस्ती जहर से भी बुरी है, घर में बैठे लोग कब्रें सजा रहे। इस संदर्भ में दूसरी घटना धर्मशाला के एक मॉल परिसर की है। देर रात्रि कुछ अतिथि चाय का सूटा लगाने से पहले ही इतना खफा हुए कि उन्होंने आउटलेट को कबाड़ बना दिया। आश्चर्य यह कि फिर भी हम मानते हैं कि हिमाचल भोले भाले लोगों का है। न पुलिस की चौकसी और न ही कोई रात को पुलिस थाने की कुंडी खडक़ा सकता है। सिर्फ सीसीटीवी ने लाज बचा ली वरना इतनी सी लड़ाई पर पुलिस को क्या पड़ी होती कि रात के अंधेरे में अपना सीना दिखाए। ये दो घटनाएं नहीं, हर जगह अब संघर्ष का बारूद बिखरा है, लोग माचिस लिए पहरा दे रहे हैं। सोशल मीडिया में गुस्से की लाली का जिक्र पालमपुर डिपो की धर्मशाला-सोलन बस ने उस वक्त दिखाया, जब निजी बसों के कर्मियों ने पोल खोल दी। बिना पूरे नेट-बोल्ट, टूटे शीशे, टूटे स्पीडोमीटर और हिलते गेयर बॉक्स को रोकती ईंट पर भी यात्री खामोश थे, तो एचआरटीसी बेकसूर है, लेकिन मुकाबला होकर रहेगा। मुकाबला तो कांगड़ा के बेजुबान पंछियों ने भी किया, जब उन्हें लगा कि ऑटोमेटिक टैस्टिंग सेंटर तो उनके पर काट देगा। वाहनों की फिटनेस के लिए कांगड़ा जिला में एकमात्र एटीएस सेंटर आफत बन गया है। सेंटर की क्षमता पचास वाहनों की प्रतिदिन है, जबकि मांग सौ से डेढ़ सौ वाहनों की रहेगी। बहरहाल विरोध में प्राइवेट गाडिय़ों, बसों और टैक्सियों के चक्के जाम रहे, तो इसके साइड इफेक्ट्स स्कूलों, दफ्तरों तथा बाजारों में सूनापन पैदा कर गए। अस्पतालों के विरोध में एंबुलेंस कर्मियों की हड़ताल ने रेफरल सिस्टम के पर कतर दिए हैं, तो आंदोलनों के चाबुक से जनता के लिए यह सफर कठिन होने लगा है। ऐसे में होटलों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कमी को देखते हुए अगर कोई घरेलू गैस का उपयोग कर ले, तो इस अपराध की वजह पकड़ी जानी चाहिए। इस बीच पंचायत चुनाव की हद में प्रवेश करती जनता को उसकी ही मुसीबतें सताएंगी। क्या इस न्याय युद्ध में उसे कोई सारथी मिलेगा। कम से कम आरक्षण रोस्टर के प्रभाव से समाज के बीच ऐसी रोशनी रेखांकित नहीं हो रही, जो तमाम अंधेरों को मिटा दे या जीत-हार के परचम लिए जब हम अपने विजयी पार्षदों की शिनाख्त करेंगे, तो पूरी तरह अपने ही मनोबल को हार जाएंगे। हिमाचल की शांत राहों पर अब सियासत की गर्मी भी एक मिसाल है। ऐसा लगता है कि विपक्ष सारा इतिहास पलट देगा और सरकार का दरबार कहता है कि दुनिया बदल दी। रोबोटिक सर्जरी के इंतजाम में मेडिकल कालेज वाकई बड़े लगने लगे हैं, मगर जब सीटी स्कैन मशीन के पुर्जे खुल जाते हैं, तो इंतजार में मरीज बूढ़े हो जाते हैं। ऐसे में धर्मशाला के मॉल पर गुंडागर्दी का नंगा नाच स्वीकार करें या यह मान लें कि ऊना के बागीचों का अमरूद खूनी है। जो भी हो, हिमाचल अब गुस्से से तरबतर, अपनी ही गलियों में बदनाम हो रहा है। मानव सभ्यता के नए क्रमांक में हिमाचल की अशांति, अहंकारपूर्ण सफलता, राजनीतिक विद्वेष और निजी उपलब्धियों के अखाड़े आपस में भिड़ने लगे हैं। इस माहौल की पैरवी का अफसोस मनाएं, वरना कल आपका पड़ोसी आपके खिलाफ ही युद्धरत हो जाएगा।

ऊना के एक गांव में लाल बागबानी का परिचय छह साल की बच्ची को मिला, जब उसने चलते-चलते अमरूद तोड़ लिया। बागीचे के मालिक ने इस हरकत के खिलाफ अपना कानून तैयार किया और मासूम को बंधक बनाकर सजा दे डाली। इस घटना का अंजाम कुछ भी हो सकता था, लेकिन एक युवा के प्रयास ने बहरी-गूंगी खिड़कियां खोल डालीं। जाहिर है समाज के बीच अब यह बस्ती जहर से भी बुरी है, घर में बैठे लोग कब्रें सजा रहे। इस संदर्भ में दूसरी घटना धर्मशाला के एक मॉल परिसर की है। देर रात्रि कुछ अतिथि चाय का सूटा लगाने से पहले ही इतना खफा हुए कि उन्होंने आउटलेट को कबाड़ बना दिया। आश्चर्य यह कि फिर भी हम मानते हैं कि हिमाचल भोले भाले लोगों का है। न पुलिस की चौकसी और न ही कोई रात को पुलिस थाने की कुंडी खडक़ा सकता है। सिर्फ सीसीटीवी ने लाज बचा ली वरना इतनी सी लड़ाई पर पुलिस को क्या पड़ी होती कि रात के अंधेरे में अपना सीना दिखाए। ये दो घटनाएं नहीं, हर जगह अब संघर्ष का बारूद बिखरा है, लोग माचिस लिए पहरा दे रहे हैं। सोशल मीडिया में गुस्से की लाली का जिक्र पालमपुर डिपो की धर्मशाला-सोलन बस ने उस वक्त दिखाया, जब निजी बसों के कर्मियों ने पोल खोल दी।

दृष्टि कोण

शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी चिंताजनक

हाल ही में आई एक उच्च शिक्षा की रिपोर्ट के अनुसार देश में युवा स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर 40 फीसदी तक पहुंच गई है। रिपोर्ट बताती है कि 20 से 29 आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और केवल 7 फीसदी को ही स्नातक होने के एक साल के भीतर स्थायी नौकरी मिल पाती है। देश में 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर बहुत कम लोगों को ही निश्चित वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट के अनुसार 'भारत में कामकाज की स्थिति-2026' में पाया गया कि बेरोजगार के रूप में पंजीकरण कराने के एक वर्ष के भीतर केवल करीब सात प्रतिशत स्नातकों को स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया कि स्नातक बेरोजगारी दर उच्च बनी हुई है। 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर करीब 40 प्रतिशत और 25 से 29 वर्ष आयु वर्ग में 20 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल एक छोटा हिस्सा ही स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाता है। हाल के वर्षों में स्नातकों की बढ़ती संख्या के कारण यह समस्या और बढ़ गई है। पिछले कुछ दशकों में युवा आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर भी बढ़ी है जिससे युवा स्नातकों की कुल संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति से उच्च बेरोजगारी दर के साथ बेरोजगार स्नातकों की संख्या भी बढ़ गई है। 2023 तक 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार थे। लेकिन स्वतंत्रता के बाद भारत ने शिक्षा से जुड़े कई अंतर को पाटने में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात भारत के विकास स्तर के अनुरूप है। शिक्षा तक पहुंच में लड़का-लड़की और जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक बाधाएं प्रगति की है, हालांकि इसके साथ रोजगार में प्रभावी बदलाव

नहीं हुआ है। पिछले चार दशक में युवाओं की शिक्षा के स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर 28 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी खास तौर पर बढ़ी है। हालांकि पुरुषों के नामांकन में गिरावट दर्ज की गई है। यह 2017 के 38 प्रतिशत से घटकर 2024 के अंत तक 34 प्रतिशत रह गई है। इसके पीछे मुख्य वजह यह है कि पुरुष अपने परिवार की जरूरत को पूरा करने के लिए कमाने के अवसर तलाशने लगते हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों का दायरा भी बढ़ा है। प्रति लाख युवाओं पर कॉलेज की संख्या 2010 के 29 से बढ़कर 2021 में 45 हो गई, जिसमें निजी संस्थानों की बड़ी भूमिका रही है। इसके बावजूद क्षेत्रीय असमानताएं बनी हुई हैं और शिक्षकों की कमी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई है। निर्धारित मानकों के मुकाबले निजी और सरकारी कॉलेजों में शिक्षक-छात्र अनुपात काफी अधिक है। यह भी कहा गया है कि 2010 के बाद औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की संख्या में करीब 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन इसके साथ खासकर निजी संस्थानों में गुणवत्ता को लेकर चिंताएं भी सामने आई हैं। उच्च शिक्षा में गरीब परिवारों की भागीदारी बढ़ी है, जो 2007 के आठ प्रतिशत से बढ़कर 2017 में 15 प्रतिशत हो गई है, लेकिन आर्थिक बाधाएं अब भी बनी हुई हैं। महंगे पेशेवर पाठ्यक्रमों, मसलन इंजीनियरिंग व मेडिकल में अपेक्षाकृत संपन्न वर्ग के छात्र-छात्राओं की भागीदारी अधिक रहती है।

बैंक खातों, एफडी व ब्याज राशि की जांच करेंगे सभी विभाग

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में आए दिन सामने आ रहे बैंक घोटालों पर सरकार सतर्क हो गई है। राज्य सरकार के वित्त विभाग ने राज्य के सभी विभागों, बोर्डों, निगमों और विश्वविद्यालयों को बैंक खातों और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर मिलने वाले ब्याज की तत्काल जांच और मिलान करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की ओर से जारी पत्र के बाद अब विभाग ने रिमाइंडर-1 जारी कर इसे अत्यंत जरूरी और समयबद्ध कार्य बताया है। वित्त विभाग के पत्र के अनुसार, सरकार ने पहले 17 मार्च 2026 को जारी निर्देशों में सभी विभागों को अपने बैंक खातों और एफडी की समीक्षा कर यह सुनिश्चित करने को कहा था कि बैंकों द्वारा ब्याज तय दरों के अनुसार ही जमा किया गया है और परिपक्वता राशि भी सही है, लेकिन अधिकांश विभागों ने इस पर गंभीरता नहीं दिखाते हुए रिपोर्ट नहीं भेजी।

स्थानीय निकाय चुनावों में देरी पर गहलोत का हमला
कहा, राजस्थान में संवैधानिक संकट गहराया

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में पंचायतों और नगरीय निकायों के चुनावों में हो रही देरी को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने इसे लोकतंत्र और संविधान के लिए गंभीर खतरा बताया। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में एक वर्ष से अधिक समय से पंचायत और नगर निकाय चुनाव नहीं कराए जाना केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की जगह सरकारी प्रशासकों की नियुक्ति कर जनता के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 243ई और 243यू का हवाला देते हुए कहा कि पंचायतों और नगरीय निकायों का कार्यकाल पांच वर्ष निर्धारित है और समय पर चुनाव कराना अनिवार्य है। साथ ही अनुच्छेद 243के के तहत राज्य निर्वाचन आयोग की स्वतंत्र भूमिका को भी रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव कराना सरकार की इच्छा नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार परिसीमन, पुनर्गठन और *वन स्टेट-वन इलेक्शन* जैसे बहानों के जरिए चुनाव टाल रही है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय भी इस तरह के कारणों को वैध आधार नहीं मान चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा कई बार निर्देश दिए जाने के बावजूद सरकार ने गंभीरता नहीं दिखाई। गहलोत के अनुसार, 439 याचिकाओं पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट द्वारा 15 अप्रैल 2026 तक चुनाव कराने की समयसीमा तय की गई, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा है। इसके बावजूद सरकार की ओर से ठोस कदम नहीं उठाना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि जब कोई सरकार लगातार संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी करे, नागरिकों के मताधिकार को बाधित रखे और न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करे, तो यह स्थिति संवैधानिक विघटन की ओर इशारा करती है। गहलोत ने 73वें और 74वें संविधान संशोधनों की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि स्थानीय स्वशासन और जनभागीदारी को कमजोर करना लोकतंत्र के मूल ढांचे को नुकसान पहुंचाता है। अंत में उन्होंने चेतावनी दी कि राजस्थान की जनता अपने अधिकारों के हनन को चुपचाप स्वीकार नहीं करेगी।

जनवादी महिला समिति ने महंगाई समेत कई मांगों को लेकर जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

कानपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर में रसोई गैस संकट, स्मार्ट मीटर के दबाव और बढ़ती महंगाई से आम लोगों का जीवन कठिन हो गया है। महिलाओं और दलितों के खिलाफ बढ़ती हिंसा ने समाज में डर का माहौल बना दिया है। इन समस्याओं को लेकर ठोस कार्रवाई की जरूरत है। प्रशासन को तत्काल हस्तक्षेप कर आम जनता को राहत देनी चाहिए। यह बातें बुधवार को अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की सचिव नीलम तिवारी ने कही। समिति के पदाधिकारियों ने बुधवार को जिलाधिकारी कानपुर नगर कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारियों को मांग पत्र सौंपा। यह मांग पत्र एसीएम-2 रितुप्रिया को सौंपा गया। संगठन की ओर से कहा गया कि शहर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत लगातार बढ़ रही है, जिससे घरेलू महिलाओं के साथ-साथ छोटे होटल और ठेला-स्टाल संचालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों को अपना कामकाज तक बंद करना पड़ रहा है। महिला समिति ने महिलाओं और दलितों पर हो रही अत्याचार की घटनाओं पर भी गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही रेप, हत्या और उत्पीड़न की घटनाओं से समाज में भय का वातावरण है। समिति ने प्रशासन से इन सभी मुद्दों पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। जिलाध्यक्ष सुधा सिंह, नीलम तिवारी, सीमा कटियार, आशा खालिद व मालती कटियार ने प्रशासन से त्वरित उपाय करने की मांग की है।

हाईकोर्ट ने एकलपीठ रिट में बदली 75 खंडपीठ अपीलें

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने पारिवारिक विवादों से जूझ रहे सैकड़ों परिवारों के लिए एक बेहद व्यावहारिक और जनहितैषी फैसला सुनाया है। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस सुनील बेनीवाल की डिवीजन बेंच ने न्याय में देरी, न्याय न मिलने के समान है के सिद्धांत को मानते हुए 75 लंबित अपीलों का तुरंत निस्तारण करते हुए हाईकोर्ट रजिस्ट्री को निर्देश दिया है कि वह इन्हें एकल पीठ रिट याचिकाओं के रूप में दोबारा दर्ज करे और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के निर्देशानुसार सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करे। कोर्ट ने हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 24 के तहत दायर इन सभी डिवीजन बेंच अपीलों को अब एकल पीठ की रिट याचिकाओं में तब्दील करने का आदेश दे दिया है। इसका मतलब अब इन मामलों की सुनवाई जल्दी हो सकेगी और पक्षकारों को सालों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह फैसला मुख्य अपीलार्थी कौशल्या सोनी (राजलदेसर, चुरू) बनाम रविकांत सोनी (अहमदाबाद) सहित 74 अन्य जुड़ी अपीलों पर एक साथ सुनाया गया। दरअसल, 2010 में हाईकोर्ट ने अजय मलिक बनाम शशि मामले में कहा था कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 24 (मुकदमे के दौरान भरण-पोषण और खर्च) के आदेश अंतरवर्ती हैं, इसलिए इनके खिलाफ अपील नहीं हो सकती। लेकिन आठ साल बाद 10 जनवरी 2018 में कविता व्यास बनाम दीपक दवे पूर्ण पीठ ने अजय मलिक की नज़ीर को गलत बताते हुए अपील को पोषणीय करार दिया। इसी आधार पर 2018 से 2026 तक 75 अपीलें दाखिल हुईं। फिर 27 मई 2022 को एक और खंडपीठ ने देखा कि 2018 के पूर्ण पीठ फैसले में सुप्रीम कोर्ट की बाध्यकारी नज़ीर कैप्टन रमेश चंदर कौशल बनाम वीणा कौशल पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि धारा 24 के आदेश अंतरवर्ती होते हैं। कोर्ट ने पर इनक्यूरियम (असावधानीपूर्वक दिया गया फैसला) का सिद्धांत लागू करते हुए पूरा मामला वृहद पीठ को रेफर कर दिया। जस्टिस अरुण मोंगा ने अहम टिप्पणी की कि जब एक खंडपीठ ने पूर्ण पीठ के फैसले पर संदेह जताकर उसे लार्जर बेंच को रेफर कर दिया है, तो कोई समकक्ष खंडपीठ उस पर फैसला नहीं सुना सकता। यह न्यायिक अनुशासन की मांग है। ऐसा निर्णय लार्जर बेंच पर छोड़ा जाए। लेकिन समस्या ये थी कि मई 2022 का यह रेफरेंस चार साल से पेंडिंग पड़ा है और लार्जर पीठ का गठन अभी तक नहीं हुआ। जस्टिस मोंगा ने स्पष्ट किया कि न्याय में देरी, न्याय न मिलने के समान है के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए 2018 से लंबित अपीलों को और अधिक लटकाना पक्षकारों के साथ अन्याय होगा। पारिवारिक न्यायालय अधिनियम की धारा 19(4) और 19(5) के तहत इन आदेशों पर रिवीजन का भी कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए कोर्ट ने अनुच्छेद 226 की व्यापक शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए फैसला लिया कि सभी 75 डिवीजन बेंच अपीलें अब एकल पीठ रिट याचिकाओं के रूप में दोबारा रजिस्टर्ड हों। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के निर्देशानुसार इन्हें सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। रजिस्ट्रार (न्यायिक) को तुरंत 27 मई 2022 के लंबित रेफरेंस के बारे में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को सूचित करने का आदेश, ताकि लार्जर पीठ का शीघ्र गठन हो सके।

अमृतसर में हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़, नाबालिग समेत चार गिरफ्तार

अमृतसर (हिंस)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सात आधुनिक पिस्तौल बरामद करके सरहद पार से हथियारों की तस्करी के मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक नाबालिग समेत चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर के गांव लधेवाल निवासी गुरविंदर सिंह उर्फ गिंदर (32), जॉबनबीर सिंह उर्फ जॉबन (23), तरन तारन के गांव भूसे निवासी लवप्रीत सिंह उर्फ लव और एक 16 वर्षीय नाबालिग को गिरफतार किया गया है। इनसे बरामद की गई पिस्तौलों में दो .30 बोर पीएक्स 5 स्टॉर्म, इटली निर्मित दो .30 बोर पिस्तौल, एक .30 बोर चीनी पिस्तौल, ऑस्ट्रिया निर्मित एक .30 बोर और एक 9 एमएम पिस्तौल तथा 12 जिंदा कारतूस हैं। पुलिस टीमों ने मुलजिमों का मोटरसाइकिल भी जब्त की है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उक्त मुलजिम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पाकिस्तानी तस्करों के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि अवैध हथियारों की खेप अटारी सेक्टर में गांव भैणी और नेश्टा क्षेत्र के पास ड्रोन के जरिए भेजी जा रही थी। डीजीपी ने बताया कि अपने हैंडलरों के निर्देश पर काम करते हुए उक्त मुलजिम निर्धारित जगहों से खेपें प्राप्त करके इन्हें आगे अपने स्थानीय गुर्गों को सप्लाई करते थे। उन्होंने कहा कि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों की जांच की जा रही है। पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि गुरविंदर उर्फ गिंदर, जॉबनबीर उर्फ जॉबन और लवप्रीत उर्फ लव को छह पिस्तौलों सहित गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान उनका चौथा साथी मौके से भागने में कामयाब रहा, जिसके बाद पुलिस टीमों ने अपनी तलाश जारी रखी और तेजी से कार्रवाई करते हुए अगले दिन उक्त नाबालिग आरोपी को एक पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि गुरविंदर उर्फ गिंदर और लवप्रीत उर्फ लव के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। साथ ही नाबालिग के खिलाफ अमृतसर देहाती के पुलिस थाना घरिंडा में असला एक्ट के तहत पहले भी एक आपराधिक मामला दर्ज है, जिसमें उसके पास से तीन पिस्तौल बरामद की गई थीं।

शेखावत ने चाय बागानों के श्रमवीरों से किया संवाद

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एक सप्ताह से लगातार पश्चिम बंगाल में प्रवास कर विधान सभा चुनाव प्रचार में सभाओं बैठकों और रैलियों में सहभागिता कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने जलपाईगुड़ी के अलीपुरद्वार लोकसभा क्षेत्र के नगरकट्टा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आनेवाले चाय बागानों के श्रमवीरों के साथ आत्मीय मुलाकात कर संवाद किया। भारतीय चाय श्रमिक संगठन के सदस्यों के साथ हुए संवाद में उनकी समस्याओं के बारे में ज़मीनी जानकारी मिली। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि आबादी और आर्थिकी में अहम योगदान होने के बाद भी राज्य सरकार ने इनकी घोर अनदेखी की है। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते भी विशेष रूप से साथ रहे।

प्रधानमंत्री मोदी 21 अप्रैल को पचपदरा में रिफाइनरी का करेंगे लोकार्पण

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अप्रैल को बालोतरा के पचपदरा में रिफाइनरी का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स हैंडल पर जानकारी देते हुए लिखा कि यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी आगामी 21 अप्रैल को पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण के लिए राजस्थान पधार रहे हैं। शर्मा ने लिखा कि यह रिफाइनरी मारवाड़ सहित पूरे राजस्थान के आर्थिक कायाकल्प और युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलने वाली *भाग्यरेखा* सिद्ध होगी। राजस्थान की समस्त जनता की ओर से प्रधानमंत्री का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है।

लाल टोपी वाले ही कानपुर की लाल इमली मिल को शुरू कराएंगे : अखिलेश

कानपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मौजूदा सरकार को जमकर घेरा उन्होंने कहा कि सरकार पीडीए से घबराई हुई है। भाजपा के राज में गरीबों को इलाज मिलने के बजाय उन्हें चंद रुपयों का लालच देकर किडनी निकाली जा रही हैं। कानपुर का इंडस्ट्रियल एरिया हो या फिर मेट्रो यह सभी कुछ सपाइयों की देन है। यहां की बंद पड़ी लाल इमली मिल को लाल टोपी वाले ही शुरू करवा सकेंगे। अब वह दिन दूर नहीं जब बहुत जल्द ओटीटी पर गांजागंज भी देखने को मिले। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निजी सुरक्षा कर्मी रंजय सिंह उर्फ लाला पहलवान की कैंसर की बीमारी के चलते 26 फरवरी को 47 साल की उम्र में मौत हो गई थी। वह पिछले ढाई दशकों से यादव परिवार के सुरक्षा कर्मी के रूप में तैनात रहे थे। उनके परिवार में पत्नी मीना यादव, बेटी मोना यादव और सूर्यांश यादव हैं। अखिलेश ने तुलसी नगर पहाड़पुर नौबस्ता गल्ला मंडी स्थित उनके निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए मौजूदा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कानपुर की बात आती है तो सबसे पहले गाड़ी का पलटना, कानपुर देहात में मां -बेटी को जिंदा जला देना याद आता है। केस्को द्वारा प्रीपेड मीटर (स्मार्ट) के नाम पर आम उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा है। चुनाव आयोग पर उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि इलेक्शन कमीशन और कुछ आस्तीन के लोग भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। सबसे पहले कालीन भाई फिर कोडीन भाई अब वह दिन दूर नहीं जब गांजागंज का नाम भी सुनने को मिलेगा। यही कारण है कि भाजपा की नीतियों ने कानपुर को जामपुर बदमानपुर कर दिया है। इसके बाद अखिलेश यादव कानपुर देहात के लिए रवाना हो गए।

सड़क हादसों में तीन की मौत

नोएडा (हिंस)। नोएडा के अलग अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई है। संबंधित थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई की। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर 98 के पास बुधवार दोपहर को हुए एक सड़क हादसे में विनय गुप्ता (57)पुत्र पदमचंद गुप्ता निवासी प्रतीक स्टाइलहोम सोसायटी सेक्टर 45 गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके बेटे क्षितिज ने उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना बिसरख क्षेत्र के गौर सिटी के पास में बीती रात मंगलवार को हुए सड़क हादसे में शशांक (28) पुत्र कमलेश कुमार मूल निवासी जनपद ग्वालियर मध्य प्रदेश गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

शहादत दिवस पर याद किए गए अमर स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडेय

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के तिरसकुंड पंचायत के प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में बुधवार को शहादत दिवस पर अमर स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडेय को स्कूली बच्चों के साथ शिक्षकों ने श्रद्धांजलि दी। मंगल पांडे की शहादत के साथ ही भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त की गिरफ्तारी दिवस पर उन्हें याद किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक संजीत कुमार निगम ने कहा कि मंगल पांडेय वीर सिपाही थे, जिन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह छेड़ी थी। इस घटना ने पूरे भारत में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह की आवाज को बुलंद किया था। जिस कारण उन्हें 8 अप्रैल 1857 को फांसी की सजा दी गई थी। शिक्षक श्री रंजीत कुमार मंडल ने कहा कि आज ही के दिन 8 अप्रैल 1929 ई को सरदार भगत सिंह एवं बटुकेश्वर दत्त ने केंद्रीय असेंबली में बम फेंके थे। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। वन्य दिवसों के बारे में प्रधान शिक्षक मिथिलेश कुमार सिंह शिक्षक कुमार राजीव रंजन ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मौके पर सर्वे मुर्मू, दिलीप मुर्मू, सोमलाल मुर्मू ने भी श्रद्धांजलि देते हुए बच्चों से राष्ट्र भक्ति से सीख लेने को प्रेरित किया।

एलपीजी गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए जिला प्रशासन ने बनाई है रणनीति

सुपौल (हिंस)। आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं का निर्बाध उपलब्धता, प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा और निर्बाध ईंधन एवं एलपीजी गैस की आपूर्ति को सुचारू आपूर्ति बनाए रखने के लिए एवं कालाबाजारी और जमाखोरी को रोकने के लिए जिला प्रशासन पुरी सक्रियता से कार्य कर रहा है। प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर से सतत निगरानी की जा रही है। अभी जिले के गैस एजेंसियों के पास लगभग 14561 गैस सिलेंडरों का भंडार मौजूद है, और बुधवार को 5062 अतिरिक्त एलपीजी गैस सिलेंडर प्राप्त होने की संभावना है। 7 अप्रैल को लगभग 5258 उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की गई है। अभी तक 22749 उपभोक्ता को बुकिंग की गैस आपूर्ति की जानी है। जिले में एलपीजी की उपलब्धता में लगातार सुधार हो रहा है। पेट्रोल पम्पों का औचक निरीक्षण हो रहा है। तेल कम्पनियों से समन्वय स्थापित करके लगातार स्थिति को सामान्य बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी राजीव कुमार और डीपीआरओ विकास कुमार कर्ण ने बताया कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, थाना अध्यक्ष सहित सभी संबंधित अधिकारी और कर्मी निरंतर उठाव वितरण की निगरानी कर रहे प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों के प्रतिवेदनानुसार जिले के 51 गैस एजेंसियों में से 47 गैस एजेंसियों पर अभी एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध है, शेष 04 आस्था इंडेन ग्रामीण वितरक, ग्वालपाड़ा इंडेन ग्रामीण वितरक, मीरा यादव डगमारा इंडेन ग्रामीण वितरक एवं रतना इंडेन ग्रामीण वितरक पर शीघ्र ही गैस की आपूर्ति किये जाने की संभावना है। तेल कम्पनियों द्वारा अस्पताल एवं सरकारी संस्थानों को जिनके पास वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है। जिला प्रशासन एलपीजी गैस सिलेंडरों कीससमय उपलब्धता हेतु गैस वितरक कम्पनियों से लगातार संपर्क में है। अभी तक कुल 51 एलपीजी एजेन्सी में से 26 की जांच की गई है। 31 अन्य होटलों / प्रतिष्ठानों पर जांच एवं छापेमारी की गई है।

अब तक सैकड़ों जिंदगियां लील चुकी है फरीदाबाद में बनी कृत्रिम झीलें

फरीदाबाद (हिंस)। अरावली की हसीन वादियों में बनी कृत्रिम झीलें अब तक सैंकड़ों लोगों की जिंदगियां लील चुकी हैं। झीलों में हो रही मौतों का रहस्य आज तक कोई नहीं समझ पाया है। यही कारण है अब इन झीलों को खूनी झीलों के नाम से जाना जाता है। मंगलवार को भी सिरोही में बनी कृत्रिम झील में नहाने गए दिल्ली निवासी एक युवक की डूबने से मौत हो गई। बुधवार को पुलिस ने मृतक के शव का जिले के सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया और कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंप दिया। दिल्ली के बसंत गांव का निवासी अभिषेक उम्र 21 साल मंगलवार शाम अपने चार दोस्तों के साथ बाइकों पर सवार होकर झील पर नहाने आया था। सभी युवक झील में नहा रहे थे, इसी दौरान अभिषेक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। दोस्तों ने उसे बचाने के लिए शोर मचाया, लेकिन तब तक वह पानी में लापता हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से झील में तलाश शुरू करवाई। काफी प्रयास के बाद युवक को पानी से बाहर निकाला गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। डेथ वैली के नाम से मशहूर यह झील सात खदानों का एक संग्रह है। स्थानीय लोग बताते हैं कि 1990 तक अरावली में खनन का कार्य धड़ल्ले से चला। वर्ष 1991 में खनन पर सरकार ने प्रतिबंध लगा दी। जिसके बाद फरीदाबाद-गुरुग्राम रोड किनारे आधा दर्जन से अधिक खदानें भू जल को छू गई और यहां प्राकृतिक रूप से नीले रंग का साफ पानी निकल आया, जो धीरे-धीरे विशालकाय झील में तब्दील हो गई। यही कारण है कि इन झीलों की गहराई का अंदाजा लगाना काफी मुश्किल है। फरीदाबाद में सूरजकुंड, बड़खल, सिरोही, मोहब्ताबाद व पाली, पांच स्थानों पर यह कृत्रिम झीलें बनी हुई हैं। यहां की सुंदरता देख साल 1991 के बाद से दिल्ली समेत पूरे एनसीआर के लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ घूमने-फिरने आने लगे। जैसे जैसे यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ी, वैसे ही दुर्घटनाओं का आंकड़ा भी बढ़ता चला गया। कभी कोई झील में नहाने के दौरान डूब जाता, तो कोई सेल्फी लेने के चक्कर में इसमें गिरकर अपनी जान गंवा बैठा। एक अनुमान के मुताबिक, यहां हर साल तीन लोगों की डूबकर मौत होती है। साल 1991 में खनन का काम बंद होने के बाद अब तक करीब 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यहां पर तैरना प्रतिबंधित है और प्रशासन की तरफ से लगातार चेतावनी दी जाती रहती है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल का कहना है कि इन झीलों के आसपास खतरे के चिन्ह अंकित किए गए है, साथ ही साथ तार फैसिंग भी की गई है ताकि इन झीलों तक लोग न पहुंचे परंतु सोशल मीडिया पर इन झीलों की सुंदरता युवाओं को आकर्षित करती है और गर्मियों में वह यहां पिकनिक के लिए आते है और हादसे का शिकार बनकर अपनी जान गंवा देते है।

अडाणी की अमेरिकी कोर्ट से फ्राड केस खारिज की मांग : बोले–मामला अमेरिकी अधिकार क्षेत्र से बाहर है, किसी तरह की धोखाधड़ी साबित नहीं हुई

न्यूयार्क

गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी ने अमेरिकी रेगुलेटर सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन की तरफ से दायर सिविल फ्राड केस को खारिज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह मामला अमेरिकी अधिकार क्षेत्र से बाहर है और इसमें कोई ठोस आरोप नहीं हैं।

अडाणी ग्रुप ने न्यूयार्क की अदालत में प्री–मोशन लेटर दाखिल कर कहा कि जिस डील को लेकर आरोप लगाए गए हैं वह अमेरिका के बाहर हुई थी। इसलिए मुकदमा कानूनी रूप से कमजोर है और इसे पूरी तरह खारिज किया जाना चाहिए।

24 नवंबर में गौतम अडाणी और सागर अडाणी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। स्वेश्ट ने आरोप लगाया था कि अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने 2021 के बान्ड जारी करने के दौरान निवेशकों को गुमराह किया और रिश्वत मामले का खुलासा नहीं किया।

अडाणी की दलील– अमेरिका से कोई सीधा संबंध नहीं – अडाणी के वकीलों ने केस खारिज करने की मांग के साथ तर्क दिया है कि न तो गौतम अडाणी और न ही सागर अडाणी का अमेरिका के साथ ऐसा कोई संपर्क रहा है जो इस केस के लिए जरूरी हो। साथ ही, बान्ड जारी करने की प्रक्रिया में उनकी कोई सीधी भूमिका नहीं थी।

अडाणी पक्ष ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि यह दिखाने में विफल रहा है कि इसमें कोई घरेलू लेनदेन शामिल था।

उन्होंने कहा कि बान्ड जारी करने वाली कंपनी भारतीय है, वह अमेरिका में लिस्टेड नहीं है और कथित घटना भी पूरी तरह से भारत में हुई है। ऐसे में अमेरिकी कानूनों को देश की सीमा से बाहर लागू नहीं किया जा सकता।

750 मिलियन डालर का बान्ड सेल और विदेशी नियम – फाइलिंग में बताया गया कि 750 मिलियन डालर (करीब 6,300 करोड़) के बान्ड की बिक्री अमेरिका से बाहर नियम 144 और रेगुलेशन के तहत की गई थी। ये प्रतिभूतियां गैर–अमेरिकी अंडरराइटर्स को बेची गई थीं और बाद में उनका कुछ हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों को फिर से बेचा गया था। वकीलों का कहना है कि शिकायत में ऐसा कोई आरोप नहीं है कि गौतम अडाणी ने इस इश्यू को मंजूरी दी थी या अमेरिकी निवेशकों को प्रभावित करने वाली किसी मीटिंग में हिस्सा लिया था। ग्रुप ने कोर्ट को यह भी जानकारी दी कि निवेशकों को हुए किसी भी नुकसान का जिक्र नहीं किया है। ग्रुप के मुताबिक, इन बान्ड्स की मैच्योरिटी 2024 में पूरी हो गई थी और निवेशकों को ब्याज सहित पूरा पैसा वापस कर दिया गया है। इसके अलावा, रिश्वतखोरी के आरोपों को भी ग्रुप ने पूरी तरह से बेबुनियाद करार दिया है और कहा है कि इसके पक्ष में कोई विश्वसनीय सबूत नहीं हैं।

भविष्य की रणनीति: 30 अप्रैल को बड़ी सुनवाई संभव – अडाणी ग्रुप ने मांग की है कि इस मामले को पूरी तरह से बंद किया जाए। उन्होंने यह भी कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो वे प्री–मोशन कान्फ्रेंस के लिए पेश होने को तैयार हैं। अब सबकी नजरें 30 अप्रैल पर टिकी हैं, जब इस मामले में विस्तृत मोशन कोर्ट के सामने रखा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर रखा बरकरार

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) ने नीतिगत दर रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार

रखा है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2026–27 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद ये जानकारी दी। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा करते हुए बताया कि रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा गया है। मल्होत्रा ने बताया कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने वित्त वर्ष 2026–27 की अपनी पहली मौद्रिक समीक्षा में आम सहमति से नीतिगत दर रेपो को 5.25 फीसदी पर यथावत रखा है। संजय मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया संकट से आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई, लेकिन कई अन्य देशों की तुलना में भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। गवर्नर ने कहा कि ईरान संकट की वजह से महंगाई एक बार फिर जोखिम पैदा कर रही है। ऐसे में नीतिगत ब्याज दर को घटाने से ज्यादा जरूरी आर्थिक उपायों को सहयोग देना और विकास दर को बनाए रखना है। क्या होता है रेपो रेट रेपो रेट वह ब्याज दर है, जिस पर आरबीआई बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है। इसका सीधा प्रभाव लोन, ईएमआई, बचत और निवेश पर पड़ता है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले पिछले वित्त वर्ष के फरवरी 2026 में हुई अंतिम एमपीसी की बैठक में रिजर्व बैंक ने रेपो रेट 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा गया था। हालांकि, रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2025 से अब तक रेपो रेट में कुल 125 फीसदी की कटौती कर चुका है। आखिरी कटौती दिसंबर, 2025 में हुई थी, जब रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 5.25 फीसदी किया गया था।

फाक्सवैगन टायगुन का फेसलिफ्ट वर्जन जल्द होगा लांच

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में फाक्सवैगन कंपनी अपनी पापुलर मिड–साइज एसयूवी फाक्सवैगन टायगुन के फेसलिफ्ट वर्जन को 9 अप्रैल को लान्च करने जा रही है। इस नए माडल के जरिए कंपनी अपने एसयूवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने की तैयारी में है। लान्च से पहले कंपनी ने इसका टीजर जारी किया है, जिसमें इसके नए डिजाइन और अपडेटेड फीचर्स की झलक देखने को मिली है। फेसलिफ्टेड टायगुन के एक्सटीरियर में कई अहम बदलाव किए गए हैं। इसमें स्लीक एलईडी हेडलाइट्स, कनेक्टेड एलईडी लाइट बार और इल्यूमिनेटेड फाक्सवैगन लोगो दिया गया है, जो इसे ज्यादा माडर्न और प्रीमियम लुक देता है। फ्रंट बंपर को भी नए सिरे से डिजाइन किया गया है, जिससे कार की रोड प्रेजेंस बेहतर हो गई है। टीजर में रेड फिनिश के साथ जीटी बैज भी नजर आया है, जो इसके स्पोर्टी वेरिएंट की ओर इशारा करता है। रियर प्रोफाइल में टेललैंप्स के डिजाइन में मामूली बदलाव और नया लाइटिंग पैटर्न देखने को मिलेगा।

स्वदेशी कंपनी टाटा और महिंद्रा की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी जल्द होगी लांच

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा भारतीय बाजार में अपनी कई नई इलेक्ट्रिक एसयूवी लान्च करने

की तैयारी में हैं। इन अपकमिंग माडल्स में महिंद्रा बीई 07, महिंद्रा एक्सईवी 9ई, टाटा अविन्या, टाटा सफारी ईवी और टाटा सियेरा ईवी शामिल हैं, जो दमदार रेंज, आधुनिक फीचर्स और प्रीमियम डिजाइन के साथ आएंगी। महिंद्रा अपनी नई बीई 07 को मिड–साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में पेश करेगी, जिसकी टेस्टिंग शुरू हो चुकी है। यह 59 केडब्ल्यूएच, 70 केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्पों के साथ आ सकती है और इसका मुकाबला आने वाली कई इलेक्ट्रिक एसयूवी से होगा। वहीं, कंपनी एक्सईवी 9ई और बीई6 में 70 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक का नया वेरिएंट जोड़ने जा रही है, जो करीब 242 बीएचपी की पावर और 380 एनएम टार्क के साथ लगभग 600 किमी तक की रेंज देने में सक्षम हो सकता है। दूसरी ओर, टाटा मोटर्स अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी अविन्या के जरिए एक नया सेगमेंट बनाने की तैयारी में है। यह माडल केवल इलेक्ट्रिक प्लेटफार्म पर आधारित होगा और 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में लान्च हो सकता है। इसके अलावा सफारी ईवी कंपनी की पहली थ्री–रो इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जिसे फेस्टिव सीजन के आसपास पेश किए जाने की उम्मीद है। इसमें 65 केडब्ल्यूएच और 75 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प के साथ रियर–व्हील और आल–व्हील ड्राइव सिस्टम मिल सकता है। इसके साथ ही सियेरा ईवी भी कंपनी की बड़ी पेशकश होगी, जिसे 2026 के मध्य तक लान्च किया जा सकता है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत एशिया में भी चौतरफा तेजी का रुख

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच दो सप्ताह तक सीजफायर का ऐलान होने के बाद ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सपाट स्तर पर मिले–जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। लेकिन, डाउ जान्स फ्यूचर्स जोरदार मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजार में चौतरफा खरीदारी होती हुई नजर आ रही है।

पश्चिम एशिया में जारी जंग में अगले दो सप्ताह तक के लिए सीजफायर का ऐलान होने के पहले अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार होता रहा। इस दबाव की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 6,616.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 21,990.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि सीजफायर का ऐलान होने के बाद डाउ जान्स फ्यूचर्स में जोरदार तेजी आ गई। फिलहाल यह सूचकांक 1,082.12 अंक यानी 2.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 47,666.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सीजफायर का ऐलान होने के पहले पिछले सत्र के दौरान यूरोपीय बाजार भी दबाव में कारोबार करते रहे। एफटीएसई इंडेक्स 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,348.79 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,908.74 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 246.49 अंक यानी 1.08 प्रतिशत टूट कर 22,921.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच सीजफायर का ऐलान होने के कारण एशियाई बाजार में जबरदस्त जोश बना हुआ है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक जोरदार उछाल के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 841.50 अंक यानी 3.64 प्रतिशत उछल कर 23,979 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 767.47 अंक यानी 2.97 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 25,884 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

कोस्पी इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 387.03 अंक यानी 7.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,881.81 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 2,852.44 अंक यानी 5.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 56,282 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,361.47 अंक यानी 4.10 प्रतिशत उछल कर 34,591.29 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 195.16 अंक यानी 2.80 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,166.19 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,964.72 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,484.82 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,992.64 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सरकार उद्योगों के लिए राहत पैकेज पर कर रही काम

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले दबाव को देखते हुए सरकार उद्योगों के लिए व्यापक राहत उपाय तैयार कर रही है। सूत्रों के अनुसार इसमें एमएसएमई सहित विभिन्न सेक्टरों को समर्थन देने की योजना शामिल है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि युद्ध से प्रभावित सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) समेत कई उद्योगों के लिए राहत उपायों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यह राहत केवल एमएसएमई तक सीमित नहीं होगी और इसके स्वरूप को लेकर अभी स्पष्टता नहीं है कि यह एक बड़े पैकेज के रूप में होगा या चरणबद्ध तौर पर दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, सरकार लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना पर विचार कर रही है। इसके तहत अमेरिका–ईरान संघर्ष से उत्पन्न डिफाल्ट की स्थिति में बैंक ऋण पर 100 करोड़ रुपये तक लगभग 90 फीसदी की गारंटी प्रदान की जाएगी। यह गारंटी नैशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी द्वारा दी जाएगी, जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

नई बाइक ट्रायंफ ट्रेकर 400 लान्च

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में ट्रायंफ मोटरसाइकिल्स ने अपनी नई बाइक ट्रायंफ ट्रेकर 400 को लान्च कर दिया है। कंपनी ने इसकी एक्स-शोरूम कीमत 2.46 लाख रुपये तय की है। यह बाइक रेट्रो स्टाइल और माडर्न टेक्नोलाजी का शानदार मेल पेश करती है। कंपनी ने अपनी 400सीसी रेंज के साथ एक नया 350सीसी लाइनअप भी पेश किया है, जिसमें स्पीड और थ्रक्सटन जैसे माडल शामिल हैं। कंपनी का फोकस खास तौर पर उन युवा राइडर्स पर है, जो स्टाइल और परफार्मेंस का संतुलन चाहते हैं। नई ट्रेकर 400 के परफार्मेंस की बात करें।

इसमें अपडेटेड टीआर–सीरीज का 350सीसी सिंगल–सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 8,750 आरपीएम पर 40बीएचपी की पावर जनरेट करता है। बाइक में टार्क–असिस्ट क्लच दिया गया है, जिससे गियर शिफ्टिंग स्मूद होती है और ट्रैफिक में राइडिंग आसान बनती है।

कंपनी का दावा है कि इसका चेसिस और फुटपेग पोजीशन शहर की सड़कों और तंग मोड़ों पर बेहतर कंट्रोल और आरामदायक राइडिंग अनुभव प्रदान करते हैं। डिजाइन के मामले में यह बाइक रेट्रो रेसिंग स्टाइल से प्रेरित है।

इसमें बाक्सी फ्यूल टैंक, चौड़े हैंडलबार, सीट काउल और साइड नंबर बोर्ड जैसे एलिमेंट्स दिए गए हैं, जो इसे एक अलग पहचान देते हैं। यह बाइक रेसिंग येलो, फैंटम ब्लैक और एल्युमीनियम सिल्वर ग्लास जैसे आकर्षक रंगों में उपलब्ध है। इसके डुअल–स्पोक व्हील्स और ट्रैकर ब्रांडिंग इसे सड़क पर खास बनाते हैं।

फीचर्स की बात करें तो इसमें स्विचेबल ट्रैक्शन कंट्रोल और डुअल–चैनल जैसे सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। 805 मिमी की सीट हाइट इसे ज्यादातर राइडर्स के लिए कंफर्टेबल बनाती है।

पृष्ठ तीन का शेष

विस चुनाव : असम में ...

और 43,997 वीवीपैट मशीनों का इंतजाम किया गया है, इनमें आपातकालीन स्थितियों में इस्तेमाल के लिए रिजर्व में रखी गई मशीनें भी शामिल हैं। जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल के लिए अतिरिक्त मतदान कर्मियों को भी स्टैंडबाय पर रखा गया है। सीईओ के दफ्तर के मुताबिक, इस चुनाव में 722 उम्मीदवार मैदान में हैं और कुल 25,054,463 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 12,531,552 पुरुष मतदाता, 12,522,593 महिला मतदाता और ट्रांसजेंडर श्रेणी के 318 मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा, 63,423 सर्विस मतदाता भी हैं। मतदाताओं में से 642,314 लोग 18–19 आयु वर्ग के हैं, 250,006 लोग 80 वर्ष से अधिक आयु के हैं और 205,085 लोग दिव्यांग हैं। इसके अलावा, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60(सी) के अनुसार, चुनाव आयोग ने 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और पहचान किए गए दिव्यांग व्यक्तियों के लिए डाक मतपत्र (पोस्टल बैलट) के माध्यम से घर से ही अपना वोट डालने की एक वैकल्पिक सुविधा प्रदान की है। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना 04 मई को होगी।

कछार के 95 संवेदनशील...

भी प्रकार की गैरकानूनी आवाजाही या हस्तक्षेप को रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। विस्तारित सुरक्षा व्यवस्था के तहत, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और राज्य पुलिस कर्मियों को सीमा के संवेदनशील इलाकों में रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है। इन क्षेत्रों में स्थित कई मतदान केंद्रों को सीधे सशस्त्र सुरक्षा और चौबीसों घंटे निगरानी में रखा गया है। सीमा पार से उपद्रवियों या अवैध सामग्रियों की आवाजाही को रोकने के लिए नाका चेकिंग तेज करने, क्षेत्र नियंत्रण अभ्यास करने और प्रमुख प्रवेश और निकास मार्गों पर निरंतर गश्त करने के साथ सुरक्षा उपायों को और कड़ा कर दिया गया है। कछार के पुलिस अधीक्षक संजीब सैकिया ने कहा कि जिले भर में सुरक्षा व्यवस्था *फुलप्रूफ* कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था व्यापक है। तैनाती आकलन के अनुसार ही की गई है, विशेष रूप से चिन्हित महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों और संवेदनशील क्षेत्रों में। कोई विशेष खतरा नहीं है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि मणिपुर सहित पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है ताकि किसी भी आवश्यकता को पूरा किया जा सके।

असम की सांस्कृतिक ...

सांस्कृतिक आयोजनों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इनकी सफलता के पीछे नई पीढ़ी का उत्साह और जिम्मेदारी की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जो एक शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी राज्य सरकार अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूती से संजोते हुए असम की समृद्ध परंपराओं को विश्व पटल पर और अधिक मजबूती से प्रस्तुत करती रहेगी।

खड़गे और खेड़ा मामले ...

राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा के विरोध में नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान इन कार्यकर्ताओं ने हाथों में पोस्टर पकड़ रखे थे। प्रदर्शन के दौरान उदय भानु चिब ने हिमंत विश्व शर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पवन खेड़ा ने हिमंत के भ्रष्टाचार को दुनिया के सामने लाने का काम किया। इसी वजह से भाजपा पवन खेड़ा को पकड़ने के लिए उनके घर पुलिस भेज रही है।

उदालगुड़ी सीट से उम्मीदवार...

कर सकते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता वेदब्रत बोरा ने कहा कि दैमारी ने मीडिया के सामने इस्तीफे की घोषणा की है। लेकिन उन्होंने पार्टी को अभी तक इस्तीफा नहीं सौंपा है। इससे पहले दोपहर में दैमारी ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। कांग्रेस में रहने का कोई फायदा नहीं है। इसने मेरे साथ धोखा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल मियां समुदाय के लिए काम करती है। लेकिन मेरे जैसे अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए कुछ नहीं करती।

असम मामले में पवन...

बताया कि असम पुलिस दस्तावेजों के स्रोत का पता लगाने के लिए कड़ी मेहनत करेगी। पुलिस उपायुक्त देवजीत नाथ की अगुवाई में अपराध शाखा ने दिल्ली में खेड़ा के आवास पर छापेमारी की। खेड़ा वहां मौजूद नहीं थे। लेकिन जांचकर्ताओं ने डिजिटल साक्ष्य एकत्र किए। बताया गया कि हैदराबाद में भी तलाशी अभियान जारी है, जहां खेड़ा वर्तमान में हो सकते हैं। इसके बाद कांग्रेस ने पुलिस की कार्रवाई की आलोचना की और इसे राजनीति से प्रेरित बताया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि कानून का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है।

त्रिपुरा : मुख्यमंत्री की ...

रखने के लिए तेजी से काम कर रहा है। मुख्यमंत्री ने इस घटना की कड़ी निंदा की और तिपरा मोथा के सदस्यों पर चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के लिए इस हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अपनी शर्मनाक हार को देखते हुए उन्होंने ऐसा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी समर्थकों को परेशान किया गया और डराया–धमकाया गया। साथ ही, रैली में शामिल लोगों के बीच डर पैदा करने के लिए जान–बूझकर हथियारों का इस्तेमाल किया गया। मुख्यमंत्री ने ऐसी हरकतों की आलोचना करते हुए कहा कि यह जानते हुए कि आने वाले एडीसी चुनावों में उनकी हार तय है, कुछ लोग 1970 के दशक की हिंसक राजनीतिक संस्कृति को फिर से जिंदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने तिपरा मोथा पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रगति में बाधा डालने के लिए आतंक फैलाने वाली तरकीबें अपनाने का आरोप लगाया, लेकिन समर्थकों को भरोसा दिलाया कि कोई भी धमकी या हिंसक कार्रवाई उन्हें स्थानीय चुनावों में जीत हासिल करने से नहीं रोक पाएगी।

सारदा चिटफंड प्रमुख ...

राज्य पुलिस के अधीन दो मामलों में भी उन्हें जमानत दे दी। इसके साथ ही उनके जेल से बाहर आने में कोई कानूनी बाधा नहीं रह गई है। हालांकि, अदालत ने जमानत के साथ कुछ शर्तें भी लगाई हैं। बताया गया है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के पास कुल 76 मामले थे, जिनमें सुदीप्त सेन को पहले ही जमानत मिल चुकी थी। इसके अलावा बारासात थाने के दो मामलों में वह अब तक जेल में थे और इन्हीं मामलों में जमानत मिलने के बाद उनकी रिहाई संभव हो पाई है। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि सारदा समूह के खिलाफ कुल 389 मामले दर्ज हुए थे।

चुनाव शांति अवधि ...

प्रावधानों के अनुसार, धारा 126 का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को दो वर्ष तक के कारावास, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। *चुनाव संबंधी सामग्री* से आशय ऐसी किसी भी सामग्री से है, जो चुनाव परिणाम को प्रभावित करने या उस पर असर डालने के उद्देश्य से तैयार की गई हो। अधिकारियों ने मीडिया संस्थानों को आगाह किया है कि शांति अवधि के दौरान कोई भी समाचार, विश्लेषण, पैनल चर्चा, विज्ञापन या अन्य प्रसारण, जो मतदाताओं को प्रभावित कर सकता है, प्रसारित न किया जाए। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए इन निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। यह निर्देश पूर्व में जारी आदेशों की पुनरावृत्ति है और किसी भी उल्लंघन की शिकायत मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी गई है।

गुजरातियों पर दिए ...

इस बयान से सहमत हैं। अगर राहुल गांधी में जरा भी समझ है, तो उन्हें इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लेना चाहिए, इसकी निंदा करनी चाहिए और माफी की मांग करनी चाहिए। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जिस पद पर वे आज हैं, उस पर कभी जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, मौलाना आजाद, सोनिया गांधी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और यहां तक कि राहुल गांधी जैसे नेता भी रह चुके हैं। ऐसे ऊंचे पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा किस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है? खड़गे की यह टिप्पणी न केवल अपमानजनक है, बल्कि बेशर्मी भरी और बेहद निंदनीय भी है। विवाद बढ़ता देख खड़गे ने बुधवार को माफी मांगी।

ईरान को हथियार देने ...

ईरान के साथ–साथ काम करने की बात कही। ट्रंप ने ये भी दावा किया कि ईरान यूरेनियम संवर्धन करना छोड़ देगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के साथ मिलकर काम करेगा, जिसके बारे में हमने यह तय किया है कि अब ईरान एक बहुत ही सफल सत्ता परिवर्तन के दौर से गुजरा है। ट्रंप ने आगे लिखा कि अब यूरेनियम का संवर्धन नहीं किया जाएगा, और संयुक्त राज्य अमेरिका, ईरान के साथ मिलकर, जमीन में बहुत गहराई में दबी हुई (बी–2 बॉम्बर्स) सारी परमाणु डॉस्ट को खोदकर बाहर निकाल देगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे बताया कि यह सभी काम अभी भी और पहले से ही, बहुत ही कड़ी सैटेलाइट निगरानी के तहत है।

अमेरिका–ईरान दो ...

अपने एक्स हैंडल पर ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की ओर से युद्ध में प्रस्तावित युद्ध विराम के बारे में बयान जारी किया। इसमें कहा गया है कि अमेरिका के 15 और ईरान के 10 सूत्री प्रस्ताव के बाद शांति का यह अवसर मिला है। बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और सैन्य प्रमुख का आभार जताया गया है। इसमें कहा गया है कि दो सप्ताह की अवधि के लिए ईरान के सशस्त्र बलों के साथ समन्वय और तकनीकी सीमाओं का ध्यान रखते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित मार्ग संभव होगा।

बिना अनुमति होर्मुज ...

की अनुमति की जरूरत लेनी पड़ेगी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी नौसेना ने रेडियो के जरिए जाहाजों को चेतावनी दी कि बिना अनुमति के गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को नष्ट कर दिया जाएगा। रेडियो संदेश में कहा गया कि जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए आपको ईरानी सेपाह नौसेना से अनुमति लेनी होगी।

अरुणाचल की दो जल ...

1720 मेगावाट की कमला जलविद्युत परियोजना शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति ने निवेश को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में इन फैसलों की जानकारी दी। पहली परियोजना की लागत 14105.83 करोड़ रुपए है और जिसे 78 महीनों में पूरा किया जाना है।

बांग्लादेश के विदेश ...

की जाएंगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान से मुलाकात की। इस बैठक में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर भी उपस्थित थे। इस दौरान जयशंकर ने नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की भारत की इच्छा को दोहराया।

आईपीएल में सबसे धीमे शतक का रिकार्ड है विराट सहित इन खिलाड़ियों के नाम

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक से बढ़कर एक आक्रामक पारियों को देखने का अवसर मिलता है। वहीं कुछ ऐसे भी बल्लेबाज हैं जो इस लीग में धीमी बल्लेबाज करते हुए भी शतक लगाने में सफल रहे हैं। इसी सूची में विराट कोहली सबसे ऊपर हैं। आईपीएल इतिहास में सबसे धीमे शतक लगाने वाले पांच बल्लेबाजों की सूची में शामिल सभी बल्लेबाज भारतीय हैं।

विराट कोहली - रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने जयपुर में राजस्थान रायल्स (आरआर) के खिलाफ साल 2004 में 72 गेंद में नाबाद 113 रन बनाये थे। इस पारी में 12 चौके और 4 छक्के शामिल थे। कोहली ने अपना शतक 67 गेंदों में पूरा किया। यह आईपीएल इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे धीमा शतक था। यह कोहली के आईपीएल करियर का 8वां शतक था।

मनीष पांडे - मनीष पांडे ने आईपीएल 2009 में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से डेक्कन चार्जर्स (डीसी) के खिलाफ शतक लगाया था। यह आईपीएल और टी20 क्रिकेट में किसी भी भारतीय बल्लेबाज का पहला शतक था। मनीष ने ये शतक 73 गेंद में नाबाद 114 रन बनाकर लगाया। इसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल थे।

सचिन तेंदुलकर - मुंबई इंडियंस (एमआई) के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने आईपीएल में केवल एक ही शतक लगाया है। सचिन ने कोच्चि टस्कर्स केरल (केटीके) के खिलाफ 66 गेंद में शतक लगाया। इसमें उन्होंने 12 चौके और 3 छक्के लगाए। यह सचिन का टी20 क्रिकेट में पहला और आखिरी शतक था।.

केएल राहुल - बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की ओर से मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 64 गेंदों में शतक लगाया था। यह उनके करियर का दूसरा शतक था। राहुल ने अपनी पारी में 6 चौके और 6 छक्के लगाए थे।

अंबाती रायुडू - चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते हुए अंबाती रायुडू ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ 62 गेंद में शतक लगाया था। रायुडू ने इस मैच में 62 गेंद में 7 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 100 रन बनाये।

न्यूज ब्रीफ

आरसीबी में आने से मेरे प्रदर्शन में आया बदलाव : पड़िकल

बेंगलुरु। बल्लेबाज देवदत्त पड़िकल ने आईपीएल के इस सत्र में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। पड़िकल ने अपनी बल्लेबाजी में आये इस बदलाव का श्रेय टीम को दिया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि आरसीबी में वापसी उनके लिए निर्णायक रही है। इससे उनकी बल्लेबाजी और मानसिकता दोनो ही बदली है। इसी कारण उनका प्रदर्शन भी सुधरा है जिसे आंकड़ों में भी देखा जा सकता है। 2025 सीजन में इस बल्लेबाज ने आरसीबी के लिए 10 मैचों में 150.61 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बनाए थे। वहीं 2026 में उन्होंने केवल दो मैचों में 111 रन बनाये। इससे उनका स्ट्राइक रेट 201.82 का रहा। पडिक्कल ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी के लिए हुई नीलामी ने अतिर पैदा किया। तब मुझे ये फैसला करना पड़ा कि मैं किस तरह का क्रिकेटर बनना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, इस टीम में वापसी ने मुझे अपने तरह से क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। इसके बाद से ही मैंने ये सोच लिया कि मुझे अपनी कमजोरियों को दूर करना है फिर चाहे परिणाम कुछ भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपने खेल को सुधारने के लिए लगातार मेहनत की और उसी का परिणाम है कि अब वह अच्छी बल्लेबाजी कर पा रहे है।वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि लखनऊ सुपरजायंट्स से खेलने के दौरान वह परेशानी में थे। उन्होंने कहा, वह समय मेरे लिए काफी मुश्किल था और मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या गलत हो रहा है।

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026: दिव्या देशमुख ने अन्ना मुजिचुक को हराकर संयुक्त बढ़त बनाई, प्रज्ञानानंद हारे

साइप्रस। फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के आठवें राउंड में मंगलवार को भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष पर चल रहीं अन्ना मुजिचुक को हराकर संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। अपने पहले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में खेल रहीं दिव्या ने शुरुआत में दबाव झेला, लेकिन एंडगेम में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ वह मुजिचुक, आर वैशाली, झू जिनर और कटरीना लाग्नो के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गई हैं। मुकाबले के मिडिलगेम और शुरुआती एंडगेम में मुजिचुक का नियंत्रण दिख रहा था और खेल ड्रा की ओर बढ़ता नजर आ रहा था। हालांकि 76वें मूव के बाद दिव्या ने लगातार चेक देते हुए विरोधी राजा को खुली स्थिति में ला दिया। 80वें मूव पर मुजिचुक की एक गलती भारी पड़ी और दिव्या ने निर्णायक हमला बोलते हुए जीत दर्ज कर ली। महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में वैशाली ने बिबिसारा अस्साउबायेवा के खिलाफ ड्रा खेला, जबकि लाग्नो ने अलेक्जेंड्रा गोर्याच्किना को हराया। झू जिनर ने तान झोंगयी पर जीत हासिल की। ओपन वर्ग में शीर्ष पर चल रहे जावोखिर सिंदारोव और आंद्रेई एसिपेंको के बीच मुकाबला ड्रा रहा। खेल के मध्य चरण में दोनों खिलाड़ियों ने संतुलित खेल दिखाया और अंततः मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। भारत के आर प्रज्ञानानंद को अनीश गिरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

ईशान एक अच्छे कप्तान : क्लासेन

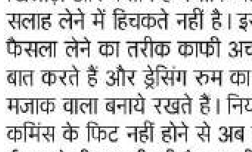

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने पैट कमिंग के बाहर होने के कारण टीम की कप्तानी संभाल रहे ईशान किशन की जमकर प्रशंसा की है। क्लासेन ने कहा कि ईशान एक अच्छे खिलाड़ी और कप्तान है क्योंकि वह बेहद सहज है और सलाह लेने में हिचकते नहीं है। इसके साथ ही उनका फैसला लेने का तरीक काफी अच्छा है। वह सभी से बात करते हैं और ड्रेसिंग रुम का माहौल भी हंसी मजाक वाला बनाये रखते है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने से अब तक इस सीरीज में ईशान ने ही कप्तानी की है। उनकी कप्तानी में एसआरएच ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। क्लासेन ने कहा, मुझे लगता है कि अब तक अपनी जिम्मेदारी निभाने में सफल रहे हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो सलाह मांगते हैं। इसके अलावा ड्रेसिंग रूम का माहौल अच्छा बनाये रखते हैं। जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम में उनकी बात सुनते हैं वह एक अच्छी आदत है। उन्होंने कहा, इससे साफ है कि टीम सुरक्षि हाथों में है। जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। पिछले काफी समय से वह लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। क्लासेने ने कहा, मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें काफी सफलता मिली है। मुझे लगता है कि उनकी घरेलू टीम ने एक टूर्नामेंट जीता था।

मस्कट पहुंचने की है तैयारी, शिमला में दिखाना होगा दम शिमला में दक्षिण एशियाई युवा टीटी क्वालीफायर होंगे

भारतीय टीम का पलड़ा भारी, पड़ोसी देशों से मिलेगी चुनौती

शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के इंदिरा गांधी राज्य खेल परिसर में बुधवार से आईटीटीएफ-एटीटीयू दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट का शानदार आगाज हो रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के साथ ही शिमला के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। भारतीय टीम अपने पिछले शानदार प्रदर्शन को दोहराने और क्षेत्रीय वर्चस्व बरकरार रखने के मजबूत इरादे से मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम ने काठमांडू में आयोजित पिछले क्षेत्रीय मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया था। इस बार भी टीम की गहराई को देखते हुए वैसी ही उम्मीदें हैं। यद्यपि भारत के अंडर-19 लड़के पहले ही मस्कट (ओमान) में होने वाली मुख्य प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं, लेकिन लड़कियों के पास इस आयोजन के माध्यम से अपना स्थान सुरक्षित करने का बेहतरीन अवसर है।

प्रियानुज और जेनिफर संभालेंगे कमान - अंडर-19 लड़कों के वर्ग में विश्व रैंकिंग 35 वाले प्रियानुज भट्टाचार्जी और पुनीत बिस्वास भारतीय चुनौती की अगुवाई कर रहे हैं। प्रियानुज हाल ही में 2025 एशियाई युवा चैंपियनशिप (ताशकंद) में टीम कांस्य पदक जीतने वाली चौकड़ी का हिस्सा थे। लड़कियों के वर्ग में जेनिफर वर्गीज (विश्व रैंकिंग 73) और अनन्या मुरलीधरन शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। हालांकि नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश और मालदीव के खिलाड़ी चुनौती पेश करने को तैयार हैं, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय अनुभव और रैंकिंग उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बनाती है।

शिमला की परिस्थितियों में तकनीकी परीक्षा - पहाड़ों की ठंडी हवा और विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों के बीच खुद को ढालना खिलाड़ियों के लिए एक चुनौती होगी। टूर्नामेंट के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों वाली स्टैग ग्लोबल टेबल और गेंदों का उपयोग किया जा रहा है।

डोप में फंसा चैंपियन लिफ्टर: सीडब्लूजी में स्वर्ण के दावेदार साईराज मिले पाजिटिव, चार महीने पहले की थी कोच की शिकायत

नई दिल्ली। अहमदाबाद में बीते वर्ष राष्ट्रमंडल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में कई रिकार्ड के साथ महाराष्ट्र के साईराज परदेसी ने स्वर्ण जीता तो खेल मंत्रालय से लेकर भारतीय वेटलिफ्टिंग महासंघ की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। साईराज का प्रदर्शन ही ऐसा था। उन्होंने 88 किलो भार वर्ग में कुल 348 किलो वजन उठाया था। देश मे इस भार में इससे अच्छा प्रदर्शन कभी नहीं हुआ था वह इस वर्ष ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण का दावेदार बन गए थे, लेकिन यह प्रदर्शन साईराज के लिए मुसीबत बन गया। साजिश का लगा चुके आरोप खेल मंत्रालय और साई को की शिकायत के मुताबिक साईराज को पता लगा कि उन्हें डोप में फंसाने की साजिश रची जा रही है। आरोप के मुताबिक, इस साजिश के पीछे कोई और नहीं बल्कि कैंप में शामिल कोच थीं। साईराज ने इसके बाद मंत्रालय, साई, वेटलिफ्टिंग महासंघ को कोच के खिलाफ डोप में फंसाए जाने की शिकायत की। आननफानन महासंघ ने जांच बिठा दी। शिकायत किए हुए लगभग चार माह हुए थे। जांच पूरी भी नहीं हुई थी कि साईराज नाडा के आउट आफ कंपटीशन टेस्ट में डोप में फंस गए। उनके सैंपल में स्टेरायड मेस्टोनेलान पाया गया है। सुनवाई में साबित करनी होगी साजिश साईराज पर अस्थायी प्रतिबंध लग गया है। नाडा के हियरिंग पैनल के समक्ष वह अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर पाए तो राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाएंगे। शिकायत के मुताबिक, एनआईएस पटियाला मे कैंप में उनके एक साथी उन्हें ऐसी रिकार्डिंग सुनाई, जिससे उनके होश उड़ गए। उन्हें बताया गया कि एक महिला कोच ने उन्हें खाने में कुछ मिलाकर ड्रोप में फंसाने को कहा है। हालांकि, जांच कमेटी ने जब उनसे सुबूत मांगे तो साईराज को साथी खिलाड़ी ने कोच की रिकार्डिंग देने से मना कर दिया।

स्ट्राइक रेट को लेकर बहस में न पड़ें रहाणे : सहवाग

नई दिल्ली

पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की कप्तानी कर रहे आजिंक्य रहाणे का हौसला बढ़ाते हुए कहा है कि वह स्ट्राइक रेट को लेकर जारी बहस में नहीं पड़ते हुए अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें। आईपीएल में रहाणे अपने कम स्ट्राइक रेट के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। इसी को देखते हुए सहवाग ने उन्हें अहम सलाह दी है।

सहवाग ने कहा कि रहाणे को प्रशंसा पर न ज्यादा खुश होने की जरुरत है और न ही आलोचना पर निराश होने की। सहवाब ने कहा, मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातों पर अधिक ध्यान देना चाहिये क्योंकि लोग आपकी तारीफ भी करेंगे और आलोचना भी पर आपको दोनो को ही समान रुप से लेना चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा, अगर कोई स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाता है, तो उसमें परेशानी होने की जरुरत नहीं है।

आपको इसकी जगह पर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए।सहवाग ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का जिक्र करते हुए कहा है कि उन्हें भी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हैं पर उन्होंने कभी भी उनका जवाब नहीं दिया। सहवाग ने ये बात इसलिए कही क्योंकि हाल ही में रहाणे स्ट्राइक रेट को लेकर किये गये सवालों कपर भड़क गये थे। रहाणे ने कहा था कि उनक स्ट्राइक रेट अच्छा है और कुछ लोग जानबूझकर आलोचना में लगे हैं। सहवाग ने रहाणे के स्ट्राइक रेट का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि एक मैच में कुछ ज्यादा गेंद खेलने से स्ट्राइक रेट कम या ज्यादा हो सकता है पर ये खेल का हिस्सा है। विराट कोहली जैसे शीर्ष बल्लेबाज भी एक जैसा स्ट्राइक रेट नहीं रख पाते हैं। रहाणे ने इस सत्र में अबतक 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। पिछले सत्र में उन्होंने 12 पारियों में 172.48 390 रन बनाए थे।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम हटाए गए

ढाका। टी-20 वर्ल्ड कप विवाद के बाद बांग्लादेश की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल को हटा दिया। बोर्ड के 6 अन्य डायरेक्टर्स ने भी इस्तीफा दे दिया। बोर्ड के कामकाज के लिए एड-हाक कमेटी बनाई गई, जिसकी कमान पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को सौंपी गई। यह कमेटी 90 दिनों में चुनाव कराएगी। ने मंगलवार को बोर्ड को भंग करने का फैसला लिया। इसके बाद नई एड-हाक कमेटी गठित की गई, जिसका उद्देश्य रोजमर्रा का कामकाज संभालना और तय समय में चुनाव कराना है। बांग्लादेश ने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को से हटाने के विरोध में भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इंकार कर दिया था। इसके बाद ने उसकी जगह स्काटलैंड को मौका दिया था। खेल मंत्रालय ने इसकी जांच कराई थी। एड-हाक कमेटी में 11 मेंबर्स शामिल तमीम इकबाल को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया। कमेटी में 11 मेंबर्स शामिल हैं। इनमें अथर अली खान, राशना इमाम, मिर्जा यासिर अब्बास, सैयद इब्राहिम अहमद, मिनहाजुल आबेदीन नन्नू, इशराफिल खुसरू, तंजिम चौधरी, सलमान इस्पहानी, रफीकुल इस्लाम और फहीम सिन्हा शामिल हैं। वर्ल्ड कप विवाद और बोर्ड के भीतर बढ़ते असंतोष के कारण बुलबुल को हटाया गया। इस दौरान छह डायरेक्टरों ने भी इस्तीफा दे दिया था, जिससे बोर्ड पर दबाव बढ़ा।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हाकी टीम, 13 से 17 अप्रैल के बीच चार मैच खेलेगी

नई दिल्ली

भारतीय सीनियर महिला हाकी टीम चार मैचों की सीरीज खेलने के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम इस दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स में मैच खेलेगी। ये सभी मुकाबले नेशनल सेंटर आफ हाई परफार्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (सीएएनएआरडी) में खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इस दौरे से आगामी एफआईएच हाकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। भारतीय महिला टीम अर्जेंटीना के खिलाफ 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को मैच खेलेगी। इस दौरे में टीम को अर्जेंटीना जैसी मजूबत टीम से खेलने और अपनी कमजोरियों को दूर करने का अवसर मिलेगा। दोनो ही टीमों के बची हाल में रोमांचक मुकाबले हुए हैं।

पिछले साल एफआईएच प्रो लीग में दोनों टीमों के बीच मैच 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इस दौरे से आगामी एफआईएच हाकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। विश्व कप अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होगा। वहीं एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में जापान के आइची-नागोया में खेले जाएंगे। इस दौरे से टीम को सही संयोजन का पता लगाने का भी अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा, हम 24 खिलाड़ियों के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह फैसला सोच-समझकर लिया गया है जिससे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर मिल सके। कोच ने टीम चयन को लेकर स्पष्ट किया, इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको पहले यह साबित करना होगा कि आप एक टीम प्लेयर हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन जरूरी है, लेकिन टीम के साथ तालमेल और सहयोग के बिना जगह बनाना मुश्किल है।

कोच पामेला ने घोषित की अंडर-17 महिला फुटबाल टीम, रुस के खिलाफ खेलेगी तीन दोस्ताना मुकाबले

नई दिल्ली

भारतीय महिला फुटबाल टीम की कोच पामेला कोनटी ने कहा है कि रुस के खिलाफ सोची में होने वाले अंडर-17 फुटबाल मुकाबलों के लिए उभरते हुए खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। भारतीय टीम 11 से 17 अप्रैल के बीच होने वाले इस दौर में रूस के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। इस दौरो के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। इस दौरे से भारतीय टीम को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे से खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा। रूस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम अपने कमजोरियों को दूर कर सकेगी।

भारत और रूस के बीच ये तीनों मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबाल सेंटर में होंगे। भारतीय टीम ने इन मुकाबलों के लिए सोची में अभ्यास भी शुरु कर दिया है। इस सीरीज से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल होगा। इस टूर्नामेंट से भारतीय टीम को इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी को अवसर मिलेगा। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है। इसमें उसका सामना आस्ट्रेलिया से 2 मई, जापान से 5 मई और लेबनान से 8 मई को होगा। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे खेले जाएंगे।

गोलकीपर: मुन्नी, सूरजमुनी कुमारी, तम्फसाना देवी

डिफेंडर: अलीना देवी, अलीशा लिंगदोह, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेद लाकड़ा, जायशिनी चानू, रितु बड़ाईक, तानिया देवी

मिडफील्डर: अभिस्ता बासनेट, अल्वा देवी, बोनिफिलिया शुल्लई, जुलान नोंगमैथेम, प्रितिका बर्मन, रेडिमा देवी, थंडामोनी बास्की

फारवर्ड: अनुष्का कुमारी, अनविता रघुरामन, जोया, ओलिविया चानू, पर्ल फर्नांडीस, वैलैना फर्नांडीस।

दिग्गज क्रिकेटर डेविड वार्नर गिरफ्तार

सिडनी। आस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर डेविड वार्नर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का गंभीर आरोप लगा है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मारूब्रा इलाके में रैंडम ब्रीथ टेस्टिंग के दौरान वार्नर को रोका गया। पुलिस ने बयान में बताया कि वार्नर की कार टेस्टिंग पाइंट से पहले ही रुक गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने उन्हें चेक किया। रोडसाइड टेस्ट में वार्नर का रिजल्ट पाजिटिव आया। इसके बाद उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां दोबारा टेस्ट में उनका अल्कोहल लेवल 0.104 पाया गया। यह आस्ट्रेलिया की कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा बताया जा रहा है। इस मामले में उन्हें कोर्ट में पेश होने का नोटिस जारी किया गया है। डेविड वार्नर को डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होना होगा। फिलहाल इस मामले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है, क्योंकि वार्नर का नाम हमेशा बड़े खिलाडियों में गिना जाता रहा है।

घमंडी लोगों को कैसे चुप कराएं?

ऑफिस में आपके साथ कुछ सहयोगी अपने आपको जिंदादिल, हार्ड वर्किंग और बहुत बार खुद को चुलबुला दिखाने की कोशिश करते होंगे। ऐसे लोगो में आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा होता है। इसी चक्कर में वे इस सोच में रहते हैं कि वे हर काम बहुत ही जल्दी से और आसानी से कर लेंगे। ऐसे ओवरकॉफिडेंट लोगों को ऐसा लगने लगता है कि उनके पास हर समस्या का हल है। ऑफिस में हर व्यक्ति उसकी मदद लेता है। अच्छे एंक्सपीरियंस की वजह से वे दूसरो के कामों में नुक्ताचीनी करते है, अपने जूनियर्स को अंडर एस्टीमेट करते हैं। बहुत बार कॉन्फिडेंस घमंड में बदल जाता है। वे इगो दिखाना शुरू कर देते हैं और दफ्तर के लोग उनसे बात करना पसंद नहीं करते। यह लोग अपना काम तो अच्छे से निपटा लेते है लेकिन दूसरों के कामो में रुकावट डालते हैं। ऐसे में घमंडी व्यक्ति को अपने काम में ज्यादा तवज्जो नहीं देनी चहिए। अपना काम खुद करने की कोशिश करें। ऐसे लोगों को अपनी तारीफ सुनना बहुत अच्छा लगता है। इन लोगों की चापलूसी करने से बचें। ये लोग किसी भी मुद्दे पर बहस करने से नहीं चूकते। अपनी नॉलेज दूसरों से शेयर करने की बजाए उन पर बहस करते हैं। बेस्ट तरीका यह है कि आप उनकी बहस पर ध्यान ही न दे। अपने काम पर फोकस रखें। वे अपने आप शर्मिंदा होकर चुप हो जाएंगे।

कूल लुक देती है पोलो टी-शर्ट...

गर्मियों के दिनों में हर युवा को अपनी वार्डरोब में पोलो टी-शर्ट को रखना बेहद पसंद होता है। पोलो टी शर्ट काफी आरामदायक होती हैं। यह काफी क्लासी और सोफेस्टीकेडेट होती हैं जिन्हे सिर्फ एक क्लास के ही लोग पसंद करते हैं। पोलो टी शर्ट को चाहें तो फॉर्मल कपड़ों में पहने या फिर किसी खास इवेंट में। इस टी शर्ट का इजाद तब हुआ था, जब पोलो खेलने वाले खिलाडियों को एक विशेष ड्रेस पहनकर खेलना होता था। धीरे-धीरे ये शौक बन गया है और प्राईवेट पोलो ग्राउंड पर भी लोग इसे पहन कर खेलना पसंद करने लगे। अब इन्हे सिर्फ ग्राउंड पर पहनने की जरूरत नहीं है, आप किसी भी मौके पर इसे पहन सकते हैं सिवाय फॉर्मल मीटिंग के। अगर आपको अपनी वॉर्डरोब में किसी टी-शर्ट को रखना है तो ब्लैक कलर की टी शर्ट सबसे बेस्ट होती है। यह सभी कलर के पैंट या जींस के चलती है और इम्प्रेसिव भी लगती है। आप चाहें तो सफेद पोलो टी शर्ट भी ले सकते हैं। इसे ऑफिस या बाहर भी आराम से पहना जा सकता है। जरूरी नहीं कि आप पोलो टी शर्ट को पैंट या जींस के साथ ही पहनें, आप शॉर्ट्स के साथ भी इसे पहन सकते हैं। किसी भी कंट्रास्ट कलर के पैंट के साथ यह फबता है। पोलो टी शर्ट में धारीदार यानी स्ट्रिप टी शर्ट भी आती है। इससे लंबाई ज्यादा लगती है और उम्र थोड़ी कम लगती है। अब आप अगली बार जब भी पोलो टी शर्ट खरीदें तो इन सभी बातों का ध्यान रखें और गर्मियों के मौसम में कूल-कूल लुक में दिखें।

न्यू वॉल डेकोर ट्रेंड्स...

यदि आप घर को रिनोवेट करवाने की सोच रहे हैं, तो कुछ नया ट्राइ कर सकते हैं। इन दिनों होम डेकोर के न्यू ट्रेंड्स देखने को मिल रहे हैं, जो न सिर्फ इंटीरियर को खास बनाते हैं, बल्कि घर को न्यू लुक भी देते हैं। खासकर वॉल डेकोरेशन में काफी नए ट्रेंड्स देखे जा रहे हैं। इन्हें पहले से ज्यादा आर्टिस्टिक बनाया जा रहा है। साथ ही इको फ्रेंडली इंटीरियर से भी जोड़ा जा रहा है। वॉल डेकोर के ट्रेंड्स पर एक नजर।

स्टोन आर्ट वर्क

दीवारों पर स्टोन का आर्ट वर्क भी काफी पसंद किया जा रहा है। इन्हें टीवी वॉल या फिर सेंटर वॉल पर ट्राई किया जा सकता है। दूसरी ओर, मार्केट में डिफरेंट तरह के स्टोन देखे जा रहे हैं, जो दीवारों के लिए काफी पसंद किए जाते हैं, इनमें कलर फुल स्टोन काफी डिफरेंट एंड ट्रेंडी लुक देते है।

वर्टिकल गार्डन

वर्टिकल गार्डन का कॉन्सेप्ट काफी पसंद किया जा रहा है। बाहर के साथ-साथ इस तरह के गार्डन को घर के अंदर भी लगाया जा सकता है। ड्रॉइंग रूम के अलावा वॉशरूम में भी वर्टिकल गार्डन काफी अच्छे लगते हैं। वॉशरूम की वॉल पर यह गार्डन फ्रेशनेस का अहसास देंगे। वॉशरूम में मॉस वॉल भी लगवाई जा सकती है।

डिफरेंट म्यूरल्स

दीवारों पर म्यूरल्स लगवाना काफी कॉमन है। इसमें भी अब डिफरेंट वैराइटीज नजर आ रही हैं, जिनमें डिजिटल और 3डी भी शामिल हैं। डिजाइनर्स की मानें तो वॉल से लेकर फ्लोर तक अट्रैक्टिव पेपर एंड म्यूरल्स देखे जा रहे हैं। वॉल पर कॉज्मिक और सी लाइफ काफी पसंद की जा रही है, इसके तहत दीवार पर नैचुरल कलर्स उभरते हैं।

> क्यूलॉट्स की लोकप्रियता बढ़ने की सबसे बडी वजह यह है कि ये सुपर कंफर्टेबल होने के साथ ही सुपर स्टाइलिश भी होते हैं। क्यूलॉट्स को कई तरह के अपरवेयर्स के साथ कंबाइन किया जा सकता है, जैसे टक्ड इन शर्ट, क्रॉप्ड टॉप, टैंक टॉप, लॉन्ग ट्यूनिक, ब्लेजर आदि। हाइ वेस्टेड टेलर्ड क्यूलॉट्स हील्स के साथ कमाल लगती हैं।

ट्राय करें ट्रेंडी क्यूलॉट्स...

ट्राउजर्स और पलाजो पहन कर बोर हो गई हैं, तो क्यों न वॉर्डरोब में कुछ नया ऐड किया जाए। लिनेन, डेनिम, सिल्क और खादी से बने क्यूलॉट्स इस सीजन का सबसे बडा ट्रेंड बन कर उभरे हैं। सही स्टाइलिंग की मदद से ये आपको विविध लुक्स दे सकते हैं। पिछले कुछ सीजंस से फैशन की दुनिया में लोअरवेयर्स का जलवा रहा है। फिर चाहे वे शॉर्ट्स हों, लेगिंग्स हों या पलाजो। इस कड़ी में सबसे लेटेस्ट नाम जुडा है क्यूलॉट्स का। रनवे से स्ट्रीट तक हर जगह इनका जलवा देखा जा सकता है। इन्हें कॉलेज से लेकर ऑफिस और लॉन्ग ड्राइव तक लगभग हर जगह पहना जा सकता है।

सुपर स्टाइलिश

क्यूलॉट्स की लोकप्रियता बढ़ने की सबसे बडी वजह यह है कि ये सुपर कंफर्टेबल होने के साथ ही सुपर स्टाइलिश भी होते हैं। पहले से प्रचलित परिधानों की भीड़ में ये ताजगी और नएपन का एहसास कराते हैं। अलग-अलग तरह से इनकी स्टाइलिंग करके विभिन्न लुक्स पाए जा सकते हैं।

कॉम्बिनेशंस

क्यूलॉट्स को कई तरह के अपरवेयर्स के साथ कंबाइन किया जा सकता है, जैसे टक्ड इन शर्ट, क्रॉप्ड टॉप, टैंक टॉप, लॉन्ग ट्यूनिक, ब्लेजर आदि। हाइ वेस्टेड टेलर्ड क्यूलॉट्स हील्स के साथ कमाल लगती हैं। अगर आपकी लंबाई अच्छी है तो आप वाइड हेमलाइन वाली सॉलिड कलर्ड क्यूलॉट्स को अपने पसंदीदा टॉप और समर सैंडल्स के साथ कंबाइन कर सकती हैं। लेदर क्यूलॉट्स को रेट्रो स्टाइल टॉप के साथ पहनना भी अच्छा आइडिया है।

लॉन्ग ड्राइव पर

जहां प्लीटेड क्यूलॉट्स को टक्ड इन कॉलर्ड शर्ट के साथ कंबाइन करके आप फॉर्मल लुक पा सकती हैं, वहीं फ्लोरल प्रिंट्स वाले क्यूलॉट्स को क्रॉप टॉप के साथ कंबाइन करके आप रोमैंटिक लुक क्रिएट कर सकती हैं। अगर लॉन्ग ड्राइव पर जाते वक्त आप क्यूलॉट्स पहनना चाहती हैं, तो क्रॉप्ड क्यूलॉट्स के साथ टैंक टॉप पहनें। इसी तरह बुक लॉन्च इवेंट में टैन प्लीटेड क्यूलॉट्स के साथ जॉर्जट रफल्ड शर्ट पहन सकती हैं।

फुटवेयर्स

इसके साथ आप किसी भी तरह के ओपेन टो हील फुटवेयर्स पहन सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, इसके साथ वेजेज, पीपटोज और स्ट्रैपी सैंडल्स का कॉम्बिनेशन अच्छा लगता है। इसके साथ क्लोज्ड़ टो सैंडल्स पहनने से बचना चाहिए।

ज्यूलरी का चयन

क्यूलॉट्स के साथ आप स्टेटमेंट नेकपीसेज कंबाइन कर सकती है। साथ ही आप इसके साथ थिन फॉर्मल बेल्ट या एंबेलिश्ड बेल्ट भी कंबाइन कर सकती है। चूंकि इसे पहनने पर आपके एंकल्स नजर आते है, इसलिए इसके साथ आप एंकलेट्स भी पहन सकती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- क्यूलॉट्स के साथ फिलप-फ्लॉप्स न पहनें।
- अगर आपकी वेस्ट शेप में है तो क्यूलॉट्स के साथ आप थिन बेल्ट पहन कर इसे डिफाइन कर सकती हैं।
- अगर आपकी लंबाई कम है तो क्रॉप्ड क्यूलॉट्स पहनने से बचें। संकरी हेमलाइन वाले फुल लेंथ क्यूलॉट्स का चयन करें।
- कंफर्टेबल फैब्रिक से बने क्यूलॉट्स पहनें।
- अपने कॉम्प्लेक्शन को सूट करते हुए क्यूलॉट्स का चयन करें।

पैरों के हिसाब से फैशन...

परफेक्ट्ली टोन्ड लेग्स एक्सपोज करने के लिए यह मौसम उपयुक्त है। अगर आपके पैर टोन्ड नहीं हैं तो हल्की-फुल्की एक्सरसाइज के बाद से आप अपने लेग्स शेप में कर सकती हैं।

फॉर फुलर लेग्स

अगर आपके पैर गठीले हैं तो आप 'अबव द नी लेंथ' ड्रेसेज में अलग-अलग शेप्स और कट्स ट्राई कर सकती हैं। असिमिट्रिकल डिजाइंस के साथ आप अपने फुलर लेग्स को फ्लॉन्ट कर सकती हैं। जमीन पर सीधा लेट जाएं। इसके बाद अपने दोनों पैरों को बारी-बारी से क्लॉकवाइज और एंटी-क्लॉकवाइज डायरेक्शन में घुमाएं। पैर घुमाने के दौरान जितना बड़ा सर्कल आप क्रिएट कर सकेंगी, आपके लिए उतना ही फायदेमंद होगा। 30 रेपिटिशंस के तीन सेट्स ट्राई करें।

फॉर थिन लेग्स

अगर आपके पैर पतले हैं तो फ्लोइंग ड्रेसेज आपके लिए उपयुक्त हैं। लेंथ आप अपनी पसंद की चूज कर सकती हैं। पतले पैरों के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग आवश्यक होती है। स्टेपर पर स्टेप्स करें या सीढ़ियां चढ़ें-उतरें। साथ ही लंजेस ट्राई करें। हाथों में डंबल्स लेकर एक पैर को सीधा आगे की तरफ लाकर दोनों घुटनों को इस तरह मोड़ें की नाइंटी डिग्री एंगल बने। एक पैर के लिए 20 रेपिटिशंस के तीन सेट ट्राई करें।

फॉर हेवी काफ्स

अगर आपका काफ पोर्शन हेवी है तो ध्यान रखें कि आपकी ड्रेस काफ मसल्स को कवर करती हुई हो। बहुत छोटी लेंथ की ड्रेस बेयर लेग्स पर नहीं जंचेगी। काफ मसल्स टोन करने के लिए अपने पैरों को 45 डिग्री तक खोलें। पंजों के बल एड़ियों को उठाकर आपको स्क्वॉट्स करने हैं। इसमें पंजों के बल खड़े होकर आपको नीचे की तरफ झुकना है। ध्यान रखें कि आपकी बैक बोन सीधी रहे और आप जितना नीचे जा सकें, आपके काफ मसल्स के लिए उतना ही बेहतर होगा।

फॉर हेवी थाइज

हेवी थाइज हों तो ऐसी ड्रेसेज ट्राई करें जिसमें थाइज ज्यादा एक्सपोज न हों। थाइज को टोन करने के लिए स्क्वाट्स ट्राई करें। पैरों को 45 डिग्री फैलाकर बैक बोन सीधी रखते हुए बैठने की मुद्रा में झुकें। 20-25 रेपिटिशंस के तीन सेट्स ट्राई करें। हाथों में वेट्स लेकर स्क्वाट्स भी करें, यह आपकी थाइज को टोन करेंगे।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आजकल हर लड़की स्टाइलिश दिखने के लिए ड्रैस के साथ मैच करते हुए ही फुटवियर्स पहनती हैं। बाजार में फुटवियर्स ट्रैंड में स्मार्ट, स्टाइलिश, ट्रैंडी फ्लोरल हाई हील्स देखने को मिलती हैं। हील्स आपकी छोटी हाइट को लंबा बना कर आपको और स्टाइलिश दिखाती हैं। अगर आप हाई हील्स के शौकीन हैं तो कभी 4 इंच से ऊंची हील्स न पहनें।
- कभी भी हर रोज एक तरह की हील्स न पहनें। बदल-बदल कर पहनें ताकि आप के पैरों को आराम मिलें।
- पार्टी में अपनी लुक को अच्छा बनाने के लिए आप ड्रैस को साथ किटेन हील्स पहनें।
- छोटे पैरों में टी स्ट्रैप वाली हील्स कभी न पहनें। ऐसी हील्स को अवॉइड करें।
- लंबे पैरों में ओवल शेप हील्स ही पहनें। इन्हे पहन कर आपके पैर बहुत ही सुंदर दिखाई देंगे।
- अगर आप पार्टी में जाने की शौकीन हैं तो आपकी ड्रैस के साथ स्ट्रैपी हील्स परफेक्ट दिखेगी।
- पैंसिल हील से पैरों में दर्द होने लगता है। इसलिए चौडी हील्स खरीदें, इससे पैरों पर कम दबाव पड़ता है।

खरीदनी है पहली कार तो ये हैं ऑप्शन...

सपनों की गाड़ी खरीदने की चाहत रखने वालों के लिए पहली कार हमेशा कुछ खास होती है। हालांकि पहली कार खरीदते समय आम आदमी को अपना बजट भी संभालना पड़ता है। अगर आप ढूंढ़ रहे हैं ऐसी ड्रीम कार जो सारी खूबियों के साथ कम कीमत में भी आ जाए तो ये खबर आपके लिए काम की है। यहां हम पहली कार खरीदने वालों के लिए ऐसी कारें बताने जा रहे हैं जो अच्छा विकल्प साबित हो सकती हैं। अपनी पसंद, खूबियों और बजट के हिसाब से इनमें से कोई भी कार चुनकर घर ले आइए।

मारुति सुजुकी ऑल्टो

पहली कार खरीदने वालों के लिए मारुति ऑल्टो हमेशा से बढ़िया पसंद रही है। मारुति जो देश की सबसे बड़ी कार कंपनी है छोटी कारों के सेगमेंट में हमेशा सबसे आगे रही है। पहले इसकी मारुति 800 लोगों की पसंदीदा कार थी और अब ऑल्टो भी उसी राह पर आगे बढ़ रही है क्योंकि इसकी कीमत काफी कम है। ऑल्टो की फिलहाल कीमत 2.57 लाख रुपए है जो पहली कार खरीदने वालों के लिए एक आकर्षक कीमत है। ये एक एंट्री लेवल कार है और इतनी कीमत में लोगों को देश का सबसे भरोसेमंद ब्रांड मिल रहा है तो इससे अच्छी बात क्या है।

रेनॉल्ट क्विड

रेनॉल्ट क्विड के लुक्स इसकी खासियत हैं जो इसे अन्य छोटी कारों से काफी अलग रखते हैं। इसके इंटीरियर्स काफी खास हैं और बाहर से छोटी कार दिखने के बावजूद अंदर से ये सेडान जैसा फील कराती है। इस कार का माइलेज भी 25 किलोमीटर प्रति लीटर है जो छोटी कारों के लिहाज से काफी अच्छा औसत कहा जा सकता है। रेनॉल्ट क्विड की कीमत भी बजट कारों के तहत लुभाती है क्योंकि 2.62 लाख रुपए में अच्छे फीचर्स के साथ ये कार मारुति की ऑल्टो और ह्युंडई की इयॉन को कड़ी टक्कर दे रही है।

ह्युंडई इयॉन : इस कार की थीम है इसका कम्फर्ट और स्टाइलिश लुक जो अन्य छोटी कारों में थोड़ी मुश्किल से मिलता है। ऑल्टो और क्विड के मुकाबले यह कार काफी ज्यादा आकर्षक लगती है लेकिन इसीलिए इसकी कीमत भी उनसे थोड़ी ज्यादा है- 3.25 लाख रुपए। इस कार में 56 पीएस का इंजन मिलता है और ये कार 20 किलोमीटर प्रति लीटर के माइलेज का दावा करती है।

टाटा टिएगो : टाटा टिएगो की खासियत यह है कि पेट्रोल और डीजल दोनों वेरिएंट में आती है। हालांकि डीजल वेरिएंट की कीमत 3.95 लाख रुपए है जो पेट्रोल वेरिएंट 3.2 लाख रुपए से थोड़ी ज्यादा है। इस कार के लॉन्च के समय इसे सबसे ज्यादा फ्यूल एफिशिएंट कार बताया गया था। इसके लुक्स तो ग्लोबल हैं ही और ये हैंडलिंग में भी ईजी फील कराती है।

ह्युंडई आई10 : एक समय छोटी कारों के बाद ह्युंडई सैंट्रो का जलवा था और मारुति 800 के बाद इसने छोटी कारों के सेगमेंट में अपनी धाक जमा दी थी। इसके बाद आई ह्युंडई आई10 भी छोटी कारों के सेगमेंट में काफी पॉपुलर है और काफी ज्यादा बिकती है। इस कार की सबसे बड़ी खासियत इसका कम्फर्ट और इसका आकर्षक डिजाइन है जो लोगों को सालों से लुभाता आ रहा है। हालांकि एंट्री लेवल कार के हिसाब से इसकी कीमत थोड़ी ज्यादा है यानी 4.25 लाख रुपए।

रैशेज की समस्या को दूर करने के कारगर उपाय

टाइट कपड़े पहनने, पसीने और बहुत ज्यादा चलने से अक्सर जांघों के बीच रैशेज पड़ जाते हैं। इनमें बहुत ज्यादा खुजली होती है, साथ ही दर्द भी। इन्हें अवॉयड करने से ये इन्फेक्शन फैल सकता है, जो तकलीफ को बढ़ाने का काम करता है। रैशेज की प्रॉब्लम महिलाओं से लेकर पुरुषों तक, किसी के भी साथ हो सकती है।

रैशेज की समस्या को दूर करने के लिए अपनाएं जाने वाले उपाय

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल अंदरूनी रैशेज की समस्या को दूर करने में मददगार होता है। रैशेज वाली जगह पर इसकी ताजी पत्तियों से निकला जेल लगाकर इसे सूखने दें। जल्द असर के लिए दिन में 2-3 बार इसका इस्तेमाल करें।

पाउडर

रैशेज वाली जगह पर किसी अच्छे एंटी बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल करें। टैल्कम पाउडर आसानी से अंदरूनी एरिया के पसीने को एब्जॉर्ब कर लेता है। कोशिश करें पाउडर का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर सकें।

बर्फ

बर्फ का कूलिंग इफेक्ट रैशेज का असरदार इलाज है। हर दो घंटे में अंदरूनी रैशेज वाली जगह बर्फ के टुकड़े को सिकाई करें। बहुत जल्द फायदा मिलता है।

केमोमाइल टी

केमोमाइल टी का इस्तेमाल करके भी रैशेज से छुटकारा पाया जा सकता है साथ ही इसमें मौजूद हर्ब्स और भी कई प्रकार की स्किन से जुड़ी समस्याओं को दूर रखते हैं। अंदरूनी रैशेज होने पर उसे केमोमाइल टी से साफ करें।

विनेगर(सिरका)

अगर रैशेज की समस्या इन्फेक्शन में बदलती दिख रही है तो तुरंत उस एरिया पर विनेगर लगाना शुरू कर दें। जल्द असर के लिए विनेगर में शहद की मात्रा भी मिला सकते हैं।3-4 बार इन्फेक्शन वाली जगह पर लगाएं।

विटामिन ई

विटामिन ई के इस्तेमाल से भी रैशेज की समस्या दूर होती है। विटामिन ई से भरपूर चीजों को रैशेज वाली जगह लगाएं। रोजाना एक हफ्ते तक दिन में कम से कम 2-3 बार इसका इस्तेमाल करें।

कम्फर्टेबल अंडरवियर

रैशेज की समस्या टाइट और अनकम्फर्टेबल कपड़े पहनने से और बढ़ सकती है इसलिए ऐसी समस्या होने पर ढीले और कम्फर्टेबल कपड़े पहनें खासतौर से अंडर वियर।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**